सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 329 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 11 सितंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

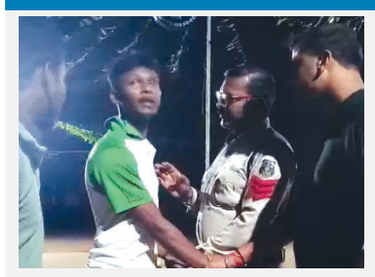

दुर्ग के मचांदुर में भगवा झंडा विवाद, 2 पुलिसकर्मी सस्पेंड, जवान के साथ किया था दुर्व्यवहार

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के मचांदुर गांव में अग्नि-वीर जवान कौशल निषाद के घर पर 3 सितंबर की रात भगवा ध्वज लगाने को लेकर पुलिस से विवाद हुआ था। अब मचांदूर चौकी क्षेत्र में विवाद के दौरान ड्यूटी में लापरवाही और अनुशासनहीनता बरतने पर एसपी ने दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। आदेश के मुताबिक, आरक्षक 1449 महेश देवांगन और आरक्षक 623 रामकृष्ण दास (दोनों थाना उतई) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर मुख्यालय रिजर्व केंद्र दुर्ग में पदस्थ किया गया है।

दरअसल, मामला उतई थाना क्षेत्र के मचांदुर गांव का है। गांव के रहने वाले कौशल निषाद अग्नि-वीर जवान है। कौशल अपने घर की छत पर 3 सितंबर को जब भगवा झंडा फहरा रहे थे। इसी बीच मचांदुर चौकी के दो आरक्षकों ने उसे झंडा लगाने से मना कर दिया। आरोप है कि, उन्होंने कौशल के साथ गाली-गलौज भी की। विवाद के बाद भारतीय जनता युवा मोर्चा ने प्रदर्शन किया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने पहले दोनों पुलिस कर्मियों को लाइन अटैच किया था। इसके बाद 10 सितंबर को दोनों ही पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। निलंबन अवधि में दोनों आरक्षकों को नियम अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि ड्यूटी में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बिजली गिरने से रायपुर-एयरपोर्ट का नेविगेशन-सिस्टम फेल, 4 फ्लाइट कैंसिल, 6 डायवर्ट

रायपुर। रायपुर एयरपोर्ट पर नेविगेशन सिस्टम में खराबी के कारण बुधवार को

दिल्ली से रायपुर आ रही इंडिगो की फ्लाइट नंबर 6ई138 को भोपाल डायवर्ट करना पड़ा। एयरपोर्ट प्रशासन के मुताबिक, तेज आंधी-तूफान के दौरान बिजली गिरने से तकनीकी गड़बड़ी हुई, जिससे विजिबिलिटी और नेविगेशन में दिक्कतें आईं। जिसके कारण 4 फ्लाइट कैंसिल कर दी गईं। जबकि 6 अन्य उड़ानों को डायवर्ट किया गया। एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक मौसम और विजिबिलिटी में सुधार के बाद फ्लाइट संचालन सामान्य कर दिया जाएगा। डायवर्ट की गई फ्लाइट में कुल 170 यात्री सवार थे, जिनमें से अधिकांश छत्तीसगढ़ के रायपुर और दुर्ग क्षेत्र के निवासी हैं। यात्रियों में दुर्ग से बीजेपी सांसद विजय बघेल और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सोनमणी बोरा भी शामिल थे। भोपाल एयरपोर्ट पर कुछ समय के लिए रुकने और रिफ्यूलिंग के बाद फ्लाइट ने रात 10:30 बजे दिल्ली के लिए दोबारा उड़ान भरी और 11:45 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड हुई।

उपराष्ट्रपति चुनाव में वोट खरीदी के आरोपों पर सीएम साय बोले- भाजपा सिद्धांतों पर चलने वाली पार्टी

जगदलपुर में आयोजित इन्वेस्टर्स कनेक्ट कार्यक्रम में रवाना होने से पहले एयरपोर्ट पर की मीडिया से चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दो दिन पहले हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के उम्मीदवार राधाकृष्णन को जीत मिली। चुनाव में एनडीए के प्रत्याशीद को 14 वोट विपक्षी सांसदों के मिले। इसे लेकर अब विपक्ष ने एनडीए पर वोट खरीदने का आरोप लगा दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी सांसद ने कहा कि मुझे पता चला कि भाजपा ने विपक्ष के हर सांसद को खरीदने के लिए 15-20 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। वहीं, भाजपा ने कहा कि क्रॉस वोटिंग विपक्षी गठबंधन में आंतरिक मतभेद और फूट को दिखाता है। वहीं अब इस मामले में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का भी बयान आया है। सीएम साय ने गुरुवार को जगदलपुर रवाना होने से पहले एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा के दौरान कांग्रेस को घेरा।

सीएम साय इन्वेस्टर कनेक्ट में शामिल होने गुरुवार को जगदलपुर रवाना हुए। इससे पहले मीडिया से चर्चा के दौरान सीएम साय ने उपराष्ट्रपति चुनाव में वोट खरीदने के आरोपों पर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सिद्धांतों पर चलने वाली पार्टी है। एक वोट के लिए अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार गिर गई थी। भारतीय जनता पार्टी ने कभी अनैतिक रास्ता नहीं चुना यह सब कांग्रेस पार्टी को रास आता है। वोट खरीदने वाले होते तो अटल बिहारी वाजपेयी जी सरकार एक वोट के लिए नहीं गिर सकती थी।

इन्वेस्टर कनेक्ट युवा व महिलाओं के लिए उपयोगी

सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार लगातार इन्वेस्टर कनेक्ट का आयोजन कर रही है। रायपुर, दिल्ली, मुंबई व बेंगलुरु में इन्वेस्टर कनेक्ट का आयोजन किया जा रहा है। विदेशों में भी इसका आयोजन किया गया। अब जगदलपुर में करने जा रहे हैं। इन्वेस्टर कनेक्ट ऐसे लोगों के लिए उपयोगी है जो उद्यमी बनना चाहते हैं। सीएम साय ने कहा कि इसमें युवाओं से लेकर महिलाओं के लिए भी अच्छे अवसर हैं। नई उद्योग नीति लाने के बाद छत्तीसगढ़ में बड़े उद्योगों द्वारा निवेश का प्रस्ताव दिया गया है जो कि आने वाले समय में विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करेंगे। सीएम साय ने कहा इन्वेस्टर कनेक्टर उद्योग के क्षेत्र में रुचि रखने वालों के लिए एक बेहतर मंच होगा और इसमें युवाओं को काफी कुछ नया सीखने को मिलेगा।

एनडीए के उम्मीदवार को मिले थे 452 वोट

मंगलवार को हुए मतदान में 788 में से 767 (98.2 फीसदी) सांसदों ने वोट डाला। राधाकृष्णन को 452 वोट और सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। 15 वोट अमान्य करार दिए गए। एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन ने आईएनडीआईए कैंडिडेट सुदर्शन रेड्डी को 152 वोटों के अंतर से हराया। एनडीए के पास 427 सांसद थे। वाईएसआर कांग्रेस के 11 सांसदों ने राधाकृष्णन को समर्थन दिया था। इन्हें जोड़कर 438 वोट ही बनते हैं। लेकिन राधाकृष्णन को 14 ज्यादा यानी 452 वोट मिले हैं। यानी इससे यह स्पष्ट होता है कि विपक्ष 14 सांसदों ने क्रास वोटिंग की थी। इसे लेकर विपक्ष वोट खरीदी का आरोप लगा रही है। इस मामले में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने तंज कसते हुए कहा, आईएनडीआईए गठबंधन के कुछ सांसदों को धन्यवाद, जिन्होंने 'अंतरात्मा की आवाज' पर एनडीए कैंडिडेट सीपी राधाकृष्णन को वोट दिया।

मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण का बढ़ा बजट, 50 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 75 करोड़ रुपए किया गया बजट

■ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा- आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं होगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार कोरबा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक आयोजित हुई। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के पुनर्गठन के बाद आज की यह प्रथम बैठक एक नए संकल्प और दृष्टिकोण के साथ आयोजित हो रही है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय के कल्याण और समग्र विकास के लिए सरकार सभी ठोस कदम उठा रही है। विकास कार्यों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने मध्य क्षेत्र अंतर्गत निवासरत अनुसूचित जनजाति समुदाय के बेहतर विकास के लिए प्राधिकरण की बजट राशि 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ रुपये करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने बस्तर, सरगुजा और मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरणों के साथ-साथ अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण तथा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरणों का गठन कर समावेशी विकास की दिशा में मजबूत कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इन प्राधिकरणों का उद्देश्य आदिवासी क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देना, पारदर्शिता सुनिश्चित करना और जनसुविधाओं को हर गाँव, हर परिवार तक पहुँचाना है। पूर्व सरकार की लचर कार्यप्रणाली के कारण प्राधिकरणों के कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी रही। निगरानी के अभाव में कई योजनाएँ धरातल पर नहीं उतर पाईं। हमारी सरकार ने इस स्थिति को बदलने के लिए प्राधिकरणों का पुनर्गठन किया है।

मध्य क्षेत्र आदिवासी प्राधिकरण के अंतर्गत वर्ष 2021-22 में 32 करोड़ 67 लाख रुपए के 544 विकास कार्य स्वीकृत किए गए थे, जिनमें से 539 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। इसी प्रकार वर्ष 2022-23 में 32 करोड़ 72 लाख रुपए के कुल 491 स्वीकृत कार्यों में से 482 कार्य पूर्ण हो गए। वर्ष 2023-24 में 32 करोड़ 67 लाख रुपए के कुल 464 स्वीकृत कार्यों में से 424 कार्य पूर्ण हुए। वर्ष 2024-25 में 48 करोड़ 28 लाख रुपये के कुल 508 स्वीकृत कार्यों में से 123 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं तथा शेष कार्य प्रगति पर हैं। मुख्यमंत्री ने सभी अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में मंत्री रामविचार नेताम, दयालदास बघेल, केदार कश्यप, लखनलाल देवांगन, श्याम बिहारी जायसवाल, ओपी चौधरी, टंकराम वर्मा, गजेंद्र यादव, गुरु खुशवंत साहेब, राजेश अग्रवाल, सांसद लोकसभा संतोष पांडेय सहित विधायकगण, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सदस्यगण, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, मनोज पिंगुआ, प्राधिकरण के सचिव बसवराजू, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद आदि उपस्थित रहे।

जुनवानी नाले में बहे दूसरे शख्स का भी शव बरामद, दो दिन पहले बह गए थे दोनों

■ एसडीआरएफ ने दो दिन लगातार चलाया रेस्क्यू अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जुनवानी नाले में मछली पकड़ने के दौरान नाले में बहे दूसरे शख्स का भी शव बरामद कर लिया गया है। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान एसडीआरएफ की टीम ने गुरुवार को दूसरे युवक पवन खुटेल का शव बरामद किया। एक दिन पहले बुधवार को पिल्लू निषाद का शव बरामद किया गया था। दोनों के शवों को पुलिस के सुपूर्द कर दिया गया।

बता दें कि जुनवानी रोड पर एमजे कॉलेज के पास नाले में मंगलवार देर रात मछली पकड़ने पहुंचे विनोबा नगर जुनवानी निवासी पवन खुटेल व पीलू निषाद फिसल कर बह गए। बारिश के कारण बहाव तेज था और जिससे वे बह गए। हादसे की सूचना के बाद एसडीआरएफ की टीम ने बुधवार को सुबह से ही रेस्क्यू ऑपरशेन शुरू किया। दिनभर की तलाश के बाद बुधवार शाम को इनमें एक पीलू निषाद का शव बरामद किया गया। वहीं पवन खुटेल की तलाश जारी रही।

रात ज्यादा होने के कारण एसडीआरएफ ने रेस्क्यू रोक दिया और गुरुवार को सुबह फिर से तलाश शुरू की गई। गुरुवार को एसडीआरफ को सफलता मिली और पवन खुटेल का शव भी बरामद किया गया। एसडीआरएफ ने शव को पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल ने रचा कीर्तिमान, 6 माह में 2 हजार से ज्यादा प्रापर्टियां बेची

■ मंडल की वन टाइम सेटलमेंट योजना-2 बनी गेम चेंजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के शहरी क्षेत्रों में मध्यम और निम्न आय वर्ग के लोगों को सुविधा युक्त आवास का सपना छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल पूरा कर रहा है। मंडल ने पिछले छह माह में 2230 संपत्तियों का विक्रय कर 435 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया है, जो पिछले पाँच वर्षों में अर्जित राजस्व की तुलना में कहीं अधिक है। इस उपलब्धि में वन टाइम सेटलमेंट योजना-2 गेम चेंजर साबित हुई है। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल संपत्तियों का विक्रय नहीं, बल्कि हर परिवार को सुरक्षित और सम्मानजनक छत प्रदान करना है। यह उपलब्धि हितग्राहियों के विश्वास और टीम के समर्पण का परिणाम है। अब हम गुणवत्ता आधारित आवास उपलब्ध कराने की दिशा में और तेजी से काम करेंगे।

गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने कहा कि मंडल ने आने वाले समय में किफायती दरों पर हाउसिंग प्रोजेक्ट्स लॉन्च करने की योजना बनाई है। मंडल द्वारा डिजिटल रजिस्ट्रेशन, ई-आवास और भुगतान प्रक्रिया को और सरल एवं पारदर्शी बनाने पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मात्र छह माह में 2200 से अधिक परिवारों का 'अपने घर का सपना' पूरा हुआ है। हमारा लक्ष्य छत्तीसगढ़ को आवास क्रांति में देश का अग्रणी राज्य बनाना है।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल ने औसतन प्रतिवर्ष 1387 संपत्तियों का विक्रय किया, जिनका वार्षिक मूल्य लगभग 262 करोड़ रुपये रहा। वहीं मार्च 2025 से अगस्त 2025 तक मात्र छह माह में ही यह आँकड़ा 2230 संपत्तियों और 435 करोड़ रुपये तक पहुँच गया। इसमें अटल विहार एवं सामान्य आवास योजना के तहत 1070 संपत्तियाँ 259 करोड़ रुपये में तथा ओटीएस-2 योजना के अंतर्गत 30 प्रतिशत तक की छूट के साथ 1160 संपत्तियाँ 176 करोड़ रुपये में विक्रय की गईं। छत्तीसगढ़ सरकार की इस वर्ष लागू वन टाइम सेटलमेंट योजना-2 ने आम नागरिकों को बड़ी राहत दी है। इस योजना के तहत 1160 संपत्तियों का 176 करोड़ रुपये मूल्य का विक्रय हुआ। इसके पहले, सितंबर 2021 से मार्च 2024 तक लागू ओटीएस-1 योजना के अंतर्गत तीन वर्षों में केवल 506 संपत्तियाँ 88 करोड़ रुपये में विक्रय हो पाई थीं।

महिला ही नहीं, अब तो पुरुष भी डरे हुए

श्रीकंचनपथ

दिल्ली हाईकोर्ट ने वर्क-प्लेस सेक्सुअल हैरेसमेंट पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि भले ही सख्त कानून बने हों, लेकिन ऑफिस में महिलाओं के साथ सेक्सुअल हैरेसमेंट अभी भी हो रहा है। कानून बनने के बावजूद पुरुषों की सोच नहीं बदली है। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने कहा कि महिला चाहे घर में हो या ऑफिस में हमेशा डर, शिष्टाचार और माफी के बीच जीती है। वे जम्मू-कश्मीर के एक सरकारी अधिकारी आसिफ हमीद खान से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही थीं। दिसंबर 2014 में खान के खिलाफ एक महिला ने शिकायत दर्ज कर सेक्सुअल हैरेसमेंट और धमकी देने का आरोप लगाया था। खान को विभागीय जांच में बरी कर दिया गया था। इसके बाद पुलिस ने भी केस में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी थी।हाईकोर्ट ने टिप्पणी दी है कि विभागीय जांच में बरी होना, छूट का आधार नहीं हो सकता। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट द्वारा क्लोजर रिपोर्ट को खारिज किये जाने को सही ठहराया। कोर्ट ने यह भी कहा कि पढ़ी-लिखी होने के बावजूद शिकायत करने वाली को उत्पीड़न झेलना पड़ा। दरअसल, पिछले दो-तीन दशकों में स्त्री पुरुष के संबंध तेजी से बदले हैं। किसी एक महिला के साथ क्या बीती, इसके आधार पर सभी मामलों को नहीं तौला जा सकता। आज दफ्तरों में न केवल महिलाएं बल्कि पुरुष भी डरे हुए हैं।फ्लर्ट करना बेहद आम हो गया है। अधिकांश कर्मचारी इसे सामान्य रूप में लेते हैं तथा दफ्तर की नीरसता को दूर करने के लिए इसे जरूरी भी मानते हैं। पर इसके कई पहलू हैं।कई बार महिलाएं पुरुषों का शिकार बन जाती हैं तो ऐसे मामलों की भी कमी नहीं जहां महिलाएं पुरुषों को फंस कर उनका मानसिक और आर्थिक शोषण करती हैं। इसलिए यह कहना गलत है कि पढ़ी लिखी होने के बावजूद महिला के साथ बुरा हुआ। बुरा किसी के भी साथ हो सकता है, यदि वह सतर्क नहीं रहता। शिक्षा का इसमें सामान्यत: कोई रोल नहीं होता। कुछ महिलाएं तो सिर्फ इस बिना पर पुरुषों का शोषण करती हैं कि उनकी बात नहीं मानी गई तो वे मीडिया के पास चली जाएगी, पुलिस के पास चली जाएगी। ऐसे मामलों में परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के अलावा ज्यादा कुछ होता भी नहीं है।इसलिए महिलाओं का विक्टिम कार्ड चल भी जाता है। अकसर कोर्ट और पुलिस से पहले ही पुरुष का मीडिया ट्रायल हो जाता है। उसपर या उसके परिवार पर क्या बीतती है, इसकी चिंता कोई भी नहीं करता। कई बार तो दफ्तर में बनते बिगड़ते समीकरण भी इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। नॉन टेक्निकल जॉब्स में फ्लर्टिंग को तरक्की की सीढ़ी भी माना जाता है। जब तक सबकुछ ठीक रहता है कोई शिकायत नहीं करता। पर इसकी भी अपनी सीमाएं होती हैं। कोई भी पक्ष सीमा को लांघे तो दूसरे लिए उसे बर्दाश्त करना कठिन हो जाता है। इसलिए हैरेसमेंट के हर मामले को अलग-अलग देखना चाहिए।

संपादकीय

चाइना से रिश्ते सुधारने के लिए राष्ट्रीय बहस की आवश्यकता

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ बार के कारण दुनियां के कई देश अपनी विदेश व्यापार नीति का पुनरीक्षण कर रहे हैं। भारत भी कुछ ऐसा ही कर रहा है। भारत ने अमेरिका के विकल्प के तौर पर रूस और चीन को चुना है। भारत के रणनीतिकार जानते हैं कि रूस तो भारत पुराना भागीदार है और भारत उससे सूत कर व्यापार कर रहा है। इतना ही नहीं अमेरिका से रिश्ते खराब होने के कारकों में से एक कारण रूस से सस्ती दरों पर क्रूड ऑयल खरीद ना वह भी विश्व में सबसे अधिक और अपनी जरूरतों का चालीस फीसदी। लेकिन चीन मामले ऐसा नहीं मान सकते हैं। बल्कि चीन से रिश्ते सुधारने से पहले भारत में राष्ट्रीय स्तर पर बहस होना चाहिए। इसके लिए संसद सत्र भी बुलाए जाने की जरूरत है। सरकार फिक्की, और अन्य संस्थाओं में विशेष सेमिनार आयोजित करे क्योंकि 1962 के बाद चीन से रिश्ते सुधारने का पहला मौका है।यह कोई छोटी मोटी बात नहीं है

“चीन से हमारे कई मुद्दों जैसे गलवान,ढोकलम, अरुणाचल प्रदेश, अंतराष्ट्रीय स्तर पर तिब्बत,तियावन,पर और दलाई लामा को लेकर गंभीर विवाद है । विदेश नीति के जानकार मानते हैं कि चीन हमेशा पाकिस्तान की मदद करता है। अभी हमारा चीन के साथ लगभग 2 लाख करोड़ का द्विपक्षीय व्यापार है जिसमें हमें 500 करोड़ का द्विपक्षीय व्यापार घाटा है। हालांकि चीन दुनियां का सबसे बड़ा निर्यातक है। चीन प्रति वर्ष 477 लाख करोड़ रुपए का विश्व व्यापार करता है। चाइना रक्षा उपकरण हेलीकॉप्टर मिसाइल ड्रोन राइफल फाइटर जेट, बड़े पैमाने पर तीसरी दुनियां के देशों को बेचता है।

भारत को विशेष कर राष्ट्रीय स्तर पर बहस की आवश्यकता इसलिए भी है कि संबंधों की रूपरेखा दीर्घ कालीन होती है और भारत एक लोकतांत्रिक व्यवस्था है।यहां पर सरकारों का परिवर्तन होता है और नए लोग जिम्मेदारी लेते हैं। चीन हमेशा से जटिल विषय रहा है क्योंकि एशिया में चीन इकलौता देश है जो साम्राज्य वादी है वह अभी भी मध्यकालीन युग के विचारों से जुड़ा होकर उन्नतशील भी है और आधुनिक भी । लेकिन वह विश्वसनीय कभी नहीं रहा है। यदिप अमेरिका का व्यवहार सभी देशों के साथ कुछ कम जायदा लोकतांत्रिक ही रहता है जिसमें डॉनल्ड ट्रंप के बचकाने निर्णयों छोड़ दें तो वह विश्वसनीय रहा है।1990 से पहले जब भारत तत्कालीन स्स्क्र के नजदीक था तब भी अमेरिकन राष्ट्रपति, रोनाल्ड रेगन, जॉर्ज बुश, निक्सन, रूजवेल्ट,ने भारत को एक आद को छोड़ कर धमकाने की कोशिश नहीं की।यहां तक कि अमेरिका कभी बेटो पावर का भी भारत के खिलाफ इस्तेमाल नहीं किया।

भारत सरकार को चीन के विषय में राजनीतिक दलों को विश्वास में लेना चाहिए विशेषकर कांग्रेस पार्टी को। राष्ट्रीय बहस इन संदर्भों में होनी चाहिए कि भारत चीन से क्या चाहता है और भारत किस हद तक पाकिस्तान के मसले पर पीछे हट सकता है क्योंकि आज नहीं कल पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को चीन की आड़ में घुसेड़ेगा। जबकि भारत कश्मीर के मुद्दे पर अब तो कतई बात नहीं करेगा । बहुत से मुद्दे हैं होशकता है कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के भी विचार भिन्न हो अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चीन दौरा कितना सही है यह परिणाम आना बाकी है। हमें ध्यान रखना चाहिए कि चीन लोकतांत्रिक व्यवस्था नहीं है।

वृक्षारोपण

आओ कुछ ऐसा करें, काम जगत कल्याण।
'सुषमा' सुंदर हो धरा, बचा सकें हम प्राण।।
धरती माता की करें, वृक्ष लगा शृंगार।
पत्र-पुष्प अरु संपदा, देती है उपहार।।
नीम खड़ा है कह रहा, सुनो ध्यान दे कान।
बरगद की छाया भली, पीपल देता ज्ञान।।
पेड़ लगाने से धरा, सुखमय होगा देश।
प्राणवायु देते हमें, जग को दो संदेश।।
निर्मल हो अंबर यहाँ, 'सुषमा' पावन नीर।
वृक्ष कभी काटो नहीं, सभी बनो गंभीर।।
पेड़ों से औषधि मिले, हरियाली के संग।
वृक्षारोपण कीजिए, जीवन भरो उमंग।।
वन उपवन लगते भले, 'सुषमा' ल तमाम।
पेड़ों की रक्षा करें, औषधि आते काम।।

कवयित्री सुषमा प्रेम पटेल (रायपुर)

सीपी राधाकृष्णनः एक नये अध्याय की हुई शुरुआत

ललित गर्ग

भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए संसद के दोनों सदनों के सांसदों ने अपने वोट डालें। सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के उम्मीदवार वरिष्ठ अधिवक्ता बी सुदर्शन रेड्डी को परास्त कर 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में जीत दर्ज की और एक नये इतिहास का सृजन किया है। निर्वाचन अधिकारी राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी के अनुसार मतदान संसद भवन के वसुधा स्थित कमरा संख्या एफ-101 में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला। यह ऐतिहासिक घटना केवल उपराष्ट्रपति पद के चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में बदलते समीकरणों और भविष्य की दिशा का संकेत भी देती है। सी.पी. राधाकृष्णन का 17वें उपराष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होना न केवल एनडीए और भाजपा की रणनीतिक सूझबूझ का परिणाम है, बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि व्यक्ति चयन की प्रक्रिया को उन्होंने केवल राजनीतिक समीकरण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसमें व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण को जोड़ा।

एनडीए के प्रत्याशी के रूप में राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को परास्त किया, इसकी संभावनाएं पहले से व्यक्त की जा रही थी। यह जीत केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, दृष्टि और नेतृत्व की जीत है। उपराष्ट्रपति पद संवैधानिक गरिमा का प्रतीक होता है, जहाँ राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित सर्वोपरि हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व ने राधाकृष्णन जैसे व्यक्ति को चुनकर यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके लिए संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्ति का व्यक्तित्व, नैतिकता और राष्ट्रीय दृष्टिकोण सर्वोपरि है। इस शानदार जीत के कई निहितार्थ हैं। पहला, यह भाजपा और एनडीए की राजनीतिक पकड़ और संगठनात्मक शक्ति को और मजबूत करता है। दूसरा, यह विपक्षी इंडिया गठबंधन की कमजोरियों और आंतरिक मतभेदों को उजागर करता है। तीसरा, यह भविष्य की राजनीति की उस दिशा को दर्शाता है जहाँ व्यक्तिगत ईमानदारी, सामाजिक स्वीकार्यता और राष्ट्रीय दृष्टि को अधिक महत्व मिलेगा।

सीपी राधाकृष्णन का चयन इस मायने में भी ऐतिहासिक है कि वे राजनीति के व्यावहारिक धरातल पर काम करने वाले ऐसे नेता माने जाते हैं जिनकी पहचान केवल पार्टी तक सीमित नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिनिधि के रूप में भी है। यह कदम भाजपा की उस राजनीति की भी झलक देता है जहाँ वह केवल चुनावी जीत की ओर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन सांस्कृतिक और वैचारिक स्थिरता की ओर अग्रसर है। यह कहा जा सकता है कि इस चुनाव में एक तीर से अनेक निशाने साधे गए हैं, एनडीए की शक्ति का प्रदर्शन, विपक्ष को स्पष्ट संदेश, संवैधानिक गरिमा की रक्षा, और भविष्य की राजनीति में व्यक्ति चयन की एक नई परंपरा का सूत्रपात। भारत की राजनीति में यह एक ऐसा क्षण है जिसे केवल चुनावी जीत के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की व्यापक प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।

भाजपा ने एक और तीर साधा है। जैसाकि तमिलनाडु की राजनीति परंपरागत रूप से द्रविड़ आंदोलनों और क्षेत्रीय पहचान से प्रभावित रही है, जहां पिछले कई दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का दबदबा रहा है। भाजपा के लिए इस राज्य में राजनीतिक ज़मीन तैयार करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को महज़ 4 सीटें मिलीं, जबकि एनडीए गठबंधन को कुल 66 सीटों पर सफलता हासिल हुई। यह स्पष्ट करता है कि तमिलनाडु में भाजपा की पकड़ अभी कमजोर है और उसे क्षेत्रीय भावनाओं, भाषा और संस्कृति से जुड़े सवालों पर गहरी पैठ बनाने की जरूरत है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाकर एक रणनीतिक दांव खेला है। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं और उनकी पहचान को आगे रखकर भाजपा राज्य की राजनीति में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना चाहती है। इससे भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि वह तमिल अस्मिता, संस्कृति और क्षेत्रीय नेतृत्व को सम्मान देती है। राधाकृष्णन की उम्मीदवारी से भाजपा को उम्मीद है कि वह आने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी उपस्थिति और प्रभाव को विस्तार दे सकेगी और द्रविड़ राजनीति के लंबे प्रभुत्व को चुनौती देने का आधार बना सकेगी।

भारत का उपराष्ट्रपति पद एवं उपराष्ट्रपति मंत्रालय भारतीय लोकतंत्र की गरिमा और संतुलन का प्रतीक है। यह पद केवल औपचारिकता का केंद्र न होकर भारतीय संसद के उच्च सदन का अध्यक्ष होने के कारण संवाद, विचार और लोकतांत्रिक विमर्श की आत्मा को दिशा देता है। स्वतंत्र भारत की इस परंपरा को जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे दार्शनिक, विचारक और शिक्षाविद ने अपने व्यक्तित्व और कार्य से ऊँचाई दी, तब यह पद राष्ट्र के सांस्कृतिक, नैतिक और बौद्धिक आदर्शों का संवाहक बन गया। उनके माध्यम से यह संदेश गया कि उपराष्ट्रपति का पद केवल राजनीतिक महत्व का नहीं बल्कि राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण और विकास का भी दायित्व वहन करता है। आज एनडीए द्वारा इस परंपरा में नई ऊर्जा का संचार करते हुए प्रभावी और रचनात्मक व्यक्तित्व को उपराष्ट्रपति पद पर प्रतिष्ठित करना भारतीय राजनीति की उज्जवल परंपरा को आगे बढ़ाने का संकेत है। यह प्रयास बताता है कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती केवल सत्ता-संघर्ष में नहीं बल्कि उच्च पदों पर ऐसे व्यक्तित्वों के चयन में निहित है जो नैतिकता, विद्वत्ता और संवेदनशीलता से लोकतंत्र की गुणवत्ता को बढ़ाएं। डॉ. राधाकृष्णन की परंपरा को स्मरण करते हुए यह आवश्यक है कि उपराष्ट्रपति संस्था निरंतर आदर्शवाद, विमर्श की गहराई और राष्ट्रीय मूल्यों की ऊर्जा का केंद्र बनी रहे।

सी.पी. राधाकृष्णन का जीवन संघर्ष, साधना और निरंतर सक्रियता का एक प्रेरणादायक उदाहरण है। 20 अक्तूबर 1957 को तमिलनाडु के तिरुप्पुर में जन्मे राधाकृष्णन का विद्यार्थी जीवन खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों से जुड़ा रहा। वे टेबल टेनिस के चैम्पियन रहे और उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर सामाजिक सेवा के मार्ग पर आगे बढ़े। सत्तर के दशक में जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी से राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले राधाकृष्णन धीरे-धीरे भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख चेहरे बने। कोयंबटूर से वे 1998 और 1999 में लगातार दो बार लोकसभा सदस्य चुने गए। संसद में उनकी सक्रियता, समितियों में भागीदारी और जनता से जुड़े मुद्दों पर बेबाकी ने उन्हें एक सशक्त जननेता के रूप में पहचान दी। वर्ष 2004 से 2007 तक उन्होंने भाजपा तमिलनाडु का नेतृत्व किया और संगठन विस्तार के लिए यात्रा, आंदोलन और संवाद को प्रमुखता दी। इसके बाद कोइर बोर्ड के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने नारियल उद्योग और उसके निर्यात को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राधाकृष्णन की प्रशासनिक यात्रा उन्हें राज्यपाल पद तक ले गई। वे झारखंड, तेलंगाना और महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे। इन पदों पर रहते हुए उन्होंने पारदर्शिता, सौम्यता और संवैधानिक मूल्यों का पालन करते हुए जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य किया। उनकी छवि एक सहज, सरल और संतुलित व्यक्ति की है जो संवाद से समाधान तलाशने में विश्वास रखते हैं। जब तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों से पद छोड़ा तो इस पद पर चुनाव की आवश्यकता पड़ी। एनडीए ने सर्वसम्मति से राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया। विपक्ष ने भी अपना प्रत्याशी उतारा, परंतु संख्या बल के कारण यह साफ था कि राधाकृष्णन की विजय लगभग सुनिश्चित है। कुछ क्षेत्रीय दलों ने मतदान से दूरी बना ली, जिससे समीकरण और भी सरल हो गए।

राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने से राज्यसभा की कार्यवाही में संयम और संवाद की संस्कृति मजबूत होगी। उपराष्ट्रपति का दायित्व केवल औपचारिक नहीं होता, बल्कि यह संसद की गरिमा और संविधान की मर्यादा का संरक्षक भी होता है। दक्षिण भारत से आना और ओबीसी समुदाय से होना उन्हें सामाजिक और राजनीतिक संतुलन का प्रतिनिधि बनाता है। उनका पूरा जीवन एक कर्मयोगी की तरह रहा है। उन्होंने किसी भी पद को केवल शक्ति के रूप में नहीं देखा बल्कि सेवा और कर्तव्य निभाने का अवसर माना। अब वे 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में अपना कार्यकाल प्रारंभ रहें हैं तो यह आशा की जा सकती है कि वे संसद में शांति, लोकतांत्रिक परंपराओं और संवाद के स्तर को ऊँचाई देंगे। उनका अनुभव, धैर्य और समर्पण देश की लोकतांत्रिक संरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

भागवत मर्यादा में बोलने को मजबूर

हरिशंकर व्यास

मोहन भागवत भला और क्या बोल सकते हैं? उस नाते प्रधानमंत्री मोदी को ले कर भागवत और ट्रंप की भावना का फर्क इतना भर है कि ट्रंप चाहे जो बोल सकते हैं लेकिन मोहन भागवत सत्ता के भय से मर्यादा में बोलने को मजबूर हैं। वे सलाह दे सकते हैं न कि यह अल्टीमेटम कि भाजपा का अध्यक्ष वहीं होगा जो संगठन चाहेगा। बावजूद इसके ट्रंप और भागवत एक से मनोभाव में हैं। मेरी धारणा है कि हजार वर्षों की गुलामी ने हिंदू को सत्ता से भयाकुल, सत्ता का भूखा और सत्ता की भक्ति के चरणदास डीएनए दे रखा है। मालिक के आगे बेबाकी से बोलने की हिम्मत नहीं होती। महज सलाह और सतही बातें कर सकते हैं।

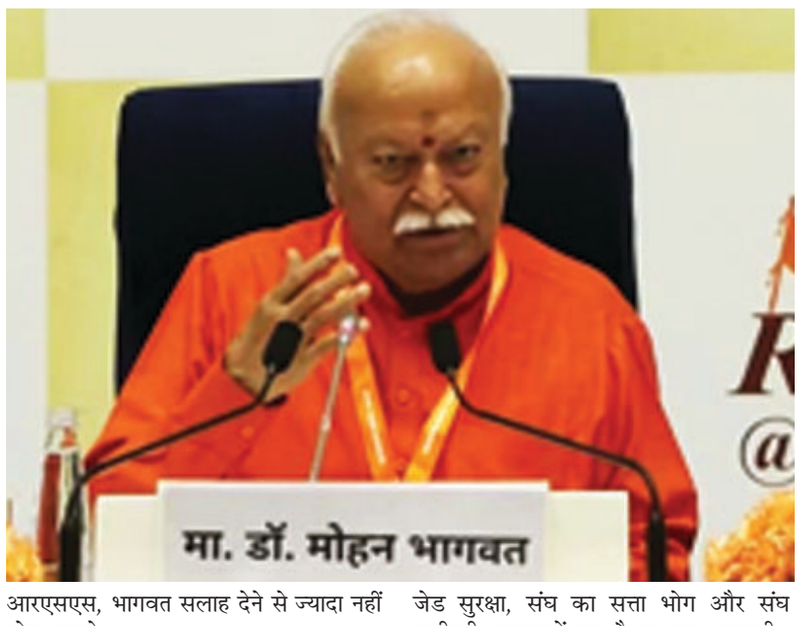

सो, संघ के सौ साल पूरे होने पर नरेंद्र मोदी ने बतौर स्वंयसेवक अपनी दक्षिणा देते हुए लाल किले से आरएसएस की तारीफ कर दी। इससे प्रांत स्तर के प्रचारकों, कार्यकर्ताओं, स्वंयसेवकों में यह जोश स्वाभाविक बना होगा कि देखो, लाल किले से प्रधानमंत्री ने संघ की वाह की। किसी में यह ख्याल नहीं बना होगा कि संघ के सौ साल होने पर भी प्रचारक सरकार के मुखिया मोदी-अमित शाह ने ग्यारह वर्षों में ऐंवे कईयों को भारत रत्न का सम्मान दे डाला लेकिन हिंदू राजनीति के आइडिया ऑफ इंडिया के प्रर्वतक सावरकर हों या हेडगेवार या गोलवलकर, देवरस में किसी को भी मोदी सरकार ने भारत रत्न नहीं दिया तो आखिर क्यों?

सोचें क्यों? इसलिए कि स्वंय नरेंद्र मोदी अब सत्ता की बदौलत अपने को पृथ्वीराज चौहान की विरासत के हिंदू सम्राट, हिंदू राजनीति के प्रवर्तक, भगवान जब मानते हैं तो सावरकर, गोलवलकर जैसों का भला क्या अर्थ है? इसलिए इस बात (भले न मानें) को भी नोट रखें कि 2014 से मोदी-शाह ने भाजपा की संगठनात्मक नाल को लगभग काट दिया है। जेपी नड्डा ने जो कहा था वह मोदी-शाह की ही सोच है कि भाजपा स्वंय अब समर्थ है। आरएसएस की आवश्यकता नहीं है! तभी आरएसएस, भागवत सलाह देने से ज्यादा नहीं बोल सकते।

मैं ट्रंप की चिढ़ का बुनियादी कारण यह मानता हूं कि मोदी ने अहसान नहीं माना। उनसे सीजफायर करवा लिया लेकिन उन्हें शांतिदूत कहने के बजाय यह बयानबाजी बनवाई कि सीजफायर में अमेरिका का क्या लेना-देना। मतलब सीजफायर अमेरिकी बीचबचाव के कारण नहीं, बल्कि मोदी की छप्पन इंची छाती, उनकी शूरवीरता के कारण थी, जिससे पाकिस्तान घबरा गया। उसके डीजीएमओ ने भारत के समवर्ती सेनाधिकारी को फोन कर लड़ाई रोकने की विनती की और भारत ने दया दिखलाते हुए सीजफायर की सहमति दी। मतलब भारत-पाकिस्तान की साझा सहमति से सीजफायर हुआ। ट्रंप का भला क्या मतलब!

अर्थात मोदीजी के पराक्रम से प्रारंभ है और उन्हीं की इच्छा से अंत है। उनका यही मनोभाव आरएसएस, मोहन भागवत एंड पार्टी के प्रति भी है। आखिर आरएसएस है क्या! उसके कारण दिल्ली का तख्त नहीं मिला, बल्कि नरेंद्र मोदी ही वह वजह है, जिसे हिंदुओं ने अवतार की तरह दिल्ली की सत्ता गद्दी पर बैठाया। नतीजे में मोहन भागवत की जेड सुरक्षा, संघ का सत्ता भोग और संघ मशीनरी, प्रचारकों का वैभव सब अवतारी-अजैविक राजा की कृपा से बना हुआ है। उधर उनके चाणक्य, मुख्य पुजारी के नाते अमित शाह का भी यह सोचना स्वभाविक है कि वे चुनाव जीतवा रहे हैं तो भाजपा नाम की पार्टी का संगठन तो उनका जेबी होना चाहिए।

संघ की सलाह, संघ की सोच से तो नब्बे वर्षों से हिंदू भटक रहे थे। सत्ताविहीन थे। 2014 में पृथ्वीराजजी-चाणक्यजी का अवतरण हुआ तो मोहन भागवत और उनके प्रचारकों का भाग्य बदला। अब संघ यदि गौरव से शताब्दी मना रहा है तो मोदी-शाह की आरती उतारो न कि सलाह दो। इसे मोहन भागवत ने भी समझा हुआ है। इसलिए उनका उत्सव सलाह-सफाई की भाव-भंगिमा से हो रहा है। वे हैं क्या जो किसी को 75 वर्ष की उम्र में रिटायर होने के लिए कहें या सलाह दें! इसलिए नोट रखें भाजपा का अध्यक्ष वही होगा जो मोदी-शाह चाहेंगे। नहीं तो उसके बिना भी मोदी-शाह मजे से बिहार-यूपी जितवा देंगे। इसलिए नोट रखें भागवत, संघ से सत्ता को कोई गहरी परेशानी नहीं है मगर हां, सत्ता को डोनाल्ड ट्रंप से जरूर है! और भारत को भी है!

बाढ़ और भूस्खलन प्रमुख कारण पेड़ों की अवैध कटाई

देश के चार उत्तरी राज्यों में बाढ़ और भूस्खलन से तबाही को लेकर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने लगता है उस मर्म पर हाथ रख दिया है जिसकी ओर पर्यावरणविद, भूगर्भशास्त्री और स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता अर्से से ध्यान दिलाने का काम कर रहे हैं। लेकिन सरकार और नीति-निर्धारकों, राजनीतिक नेताओं और प्रशासनिक अमले के कानों पर कोई जूं नहीं रेंगती। स्थानीय सरकारों, मंत्रियों और अफसरों से मिल कर भू माफिया ने इन राज्यों का जो हाल कर दिया है, वह तो अब कभी सुधर नहीं सकता। अदालत ने बाढ़ और भूस्खलन पर गंभीर चिंता जताते हुए इसके लिए पेड़ों की अवैध कटाई को प्रमुख कारण माना है। पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर सरकारों को नोटिस जारी कर उनसे दो हफ्तों के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा गया है।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि बड़े पैमाने पर अवैध पेड़ कटाई की गई है, और यही हालिया आपदा का बड़ा कारण हो सकता है। अदालत ने मीडिया रिपोर्टे पर संज्ञान लेते हुए कहा कि हमने हिमाचल प्रदेश के दृश्य देखे, जहां बड़ी संख्या में लकड़ी के कुंदे के कुंदे बाढ़ में बहते हुए नजर आए। यह अनियंत्रित पेड़ कटाई का संकेत है। विकास जरूरी है, लेकिन वह संतुलित होना चाहिए। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता क्या कहते, उन्हें स्वीकार करना पड़ा कि हमने प्रकृति के साथ इतनी छेड़छाड़ की है कि अब प्रकृति हमें उसका जवाब दे रही है। उन्होंने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि इस मुद्दे पर वे पर्यावरण मंत्रालय के सचिव से बात करेंगे और संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों से भी संवाद स्थापित करेंगे।

लेकिन क्या ये बातें कहने से पहले मेहता को सोचना नहीं चाहिए था कि जब-जब पर्यावरणविद, भूगर्भ शास्त्री और सामाजिक कार्यकर्ता सवाल उठाते हैं, या स्थानीय लोग आंदोलन करते हैं, तब सरकारों की गलत नीतियों की पैरवी करने राज्य ओर केंद्र के अटॉर्नी और सालिसिटर जनरल जैसे बड़े अधिकारी क्यों आ जाते हैं। उस समय क्या उन्हें दुष्परिणामों का भान नहीं होता। केदारनाथ त्रासदी, जोशीमठ की दरारें, हिमाचल और उत्तराखंड के भूस्खलन और बाढ़, वैष्णो देवी तथा अमरनाथ यात्रा मागरे पर हुए हादसों और पंजाब की बर्बादी से हम कभी सबक भी लेंगे या नोटिसों का सिलसिला यूं ही बदस्तूर जारी रहेगा।

चाइना से करीबी और इंडिया से दूरी के अलावा हिन्दू राष्ट्र का तमगा हटाना नेपाल को पड़ा भारी

नीरज कुमार दुबे

नेपाल में आज जिस तरह लोकतंत्र भरभराकर ढह गया उससे देश के भविष्य पर सवालिया निशान लग गया है। देखा जाये तो नेपाल की घटनाएं केवल राजनीतिक संकट नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की राजनीति को झकझोर देने वाली चेतावनी हैं। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भारी जनाक्रोश और हिंसा के बीच इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और कई वरिष्ठ नेताओं के घरों पर हमले हुए जिसके बाद उन्होंने भी इस्तीफा दे दिया। इसके अलावा, संसद, सर्वोच्च न्यायालय और सरकारी दफ्तरों को आग के हवाले कर दिया गया। सड़कों पर युवा प्रदर्शनकारियों ने न केवल मंत्रियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा बल्कि राजधानी काठमांडू तक को असुरक्षित बना दिया। यह दृश्य नेपाल की राजनीति और लोकतंत्र की दिशा पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

देखा जाये तो इस पूरे आंदोलन की पृष्ठभूमि में भ्रष्टाचार विरोधी जनाक्रोश और Gen-Z की अगुवाई वाला असंतोष है। सरकार द्वारा सोशल मीडिया प्रतिबंध ने आग में घी डालने का काम किया, जिसे अंततः वापस लेना पड़ा। लेकिन तब तक हालात बेकाबू हो चुके थे। लगभग 20 से ज्यादा लोगों की जान गई, सैंकड़ों घायल हुए और नेपाल की नाजुक राजनीतिक व्यवस्था फिर से हिल गई।

नेपाल का यह संकट भारत सहित पूरे दक्षिण एशिया के लिए चिंता का विषय है। इसके चलते भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा बढ़ानी पड़ी है। यदि अस्थिरता लंबी खिंचती है तो यह भारत की सुरक्षा और व्यापार दोनों को प्रभावित करेगी। यहां यह भी ध्यान रखने योग्य बात है कि हाल के वर्षों में नेपाल का झुकाव चीन की ओर बढ़ा है। लेकिन अब यह प्रश्न उठ रहा है कि क्या काठमांडू की बीजिंग-नज़दीकी ने ही उसकी राजनीति को और उलझा दिया है? चीन की मदद से आर्थिक विकास की अपेक्षा थी, लेकिन

जनता को न भ्रष्टाचार से मुक्ति मिली, न रोज़गार।

देखा जाये तो दक्षिण एशिया में नेपाल को अक्सर नए लोकतंत्र के रूप में देखा जाता था। यदि यहां संस्थाएँ भीड़तंत्र के सामने कमजोर साबित होती हैं, तो यह क्षेत्रीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की प्रतिष्ठा पर भी आघात है। जब संसद और सर्वोच्च न्यायालय जैसी संस्थाओं पर भीड़ हमला करती है, तो यह संकेत है कि जनविश्वास बुरी तरह टूटा है। सवाल यह है कि क्या नेपाल का लोकतंत्र इस बार फिर से खुद को पुनर्जीवित कर पाएगा, या हिंसा और अराजकता उसका स्थायी चेहरा बन जाएगी।

हम आपको याद दिला दें कि 2006 के बाद नेपाल ने खुद को हिंदू राष्ट्र से धर्मनिरपेक्ष गणराज्य घोषित किया। इसलिए आज यह प्रश्न भी खड़ा हो रहा है कि क्या इस निर्णय से जनता का बड़ा वर्ग खुद को असुरक्षित महसूस करता है और हालिया असंतोष इसी से उपजा है? हालात को देखते हुए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि धर्मनिरपेक्ष पहचान ने नेपाल में गहरे सामाजिक द्वंद्व को जन्म दिया है। समाज का एक बड़ा हिस्सा इस बदलाव को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से विच्छेद मानता है।

साथ ही राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री का इस्तीफा एक समाधान नहीं, बल्कि अस्थायी मरहम है। जब तक राजनीतिक दल जनता को पारदर्शिता और जवाबदेही का भरोसा नहीं देंगे, तब तक संकट दोहराता रहेगा। देखा जाये तो नेपाल के युवाओं ने स्पष्ट कर दिया है कि वे अब भ्रष्टाचार, परिवारवाद और सत्ता के दुरुपयोग को सहन नहीं करेंगे। लेकिन क्या यह ऊर्जा लोकतांत्रिक पुनर्निर्माण में लगेगी, या अराजकता और हिंसा में बदल जाएगी, यह नेपाल के भविष्य का निर्णायक प्रश्न है। इसके अलावा, चीन के साथ बढ़ती निकटता ने नेपाल को आर्थिक और सामरिक लाभ तो नहीं दिलाया, उल्टे नई निर्भरता और असंतोष पैदा कर दिया। भारत से दूरी और चीन पर भरोसा करना शायद नेपाल की कूटनीतिक भूल साबित हो रहा है।

बहरहाल, नेपाल का वर्तमान संकट लोकतंत्र की कमजोरी, भ्रष्टाचार की जकड़न और नेतृत्व की विफलता का सम्मिलित परिणाम है। दक्षिण एशिया के अन्य देशों के लिए यह एक चेतावनी है कि केवल संवैधानिक ढाँचे बनाना पर्याप्त नहीं, उन्हें जीवंत बनाना और जनता के भरोसे के लायक बनाना भी जरूरी है। नेपाल के सामने आज विकल्प है— क्या वह हिंसा और अराजकता में और डूबेगा, या इस संकट को एक अवसर मानकर अपने लोकतंत्र, पहचान और विदेश नीति की दिशा को नए सिरे से तय करेगा। यह चुनाव केवल नेपाल का नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशियाई लोकतंत्रों के भविष्य की दिशा तय करेगा।

ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-
GST रजिस्ट्रेशन | TDS रिफंड
CMA DATA | BALANCE SHEET
MSME रजिस्ट्रेशन | फूड लाइसेंस
प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TAX AUDIT
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
(व्हाट्सएप्प पर भी बनवाएं)
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

जिले में अब तक 769.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2025 से 10 सितम्बर 2025 तक 769.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 1091.0 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 555.8 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील बोरी में 676.8 मिमी, तहसील अहिवारा में 761.9 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 722.2 मिमी और तहसील दुर्ग में 809.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 10 सितम्बर 2025 को तहसील दुर्ग में 47.1 मिमी, तहसील धमधा में 0.0 मिमी, तहसील पाटन में 0.0 मिमी, तहसील बोरी में 0.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 13.6 मिमी और तहसील अहिवारा में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

स्वास्थ्य केन्द्रों में हेल्थ एटीम मशीन के लिए 46 लाख 50 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अहिवारा विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए अहिवारा विधानसभा अंतर्गत विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों में हेल्थ एटीम मशीन के लिए 46 लाख 50 हजार रूपए की स्वीकृति की गई है। विधानसभा अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा द्वारा अनुशंसित उक्त कार्य का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा की जाएगी। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार विकासखण्ड धमधा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अहिवारा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मेड़ेसरा में तथा विकासखण्ड पाटन स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भिलाई-03 में एक-एक क्लाउड बेस्ड हेल्थ कियॉस्क हेल्थ एटीएम मशीन स्थापना के लिए 15.50-15.50 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

स्कूली छात्र-छात्राओं और आमजनों को आहार-विहार संबंधी जानकारी दी

दुर्ग। छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिला प्रशासन दुर्ग के निर्देशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी दुर्ग के मार्गदर्शन में आयुष विभाग दुर्ग द्वारा हर दिन हर घर आयुर्वेद थीम पर 01 से 21 सितम्बर 2025 तक विभिन्न प्रकार के आयुर्वेद जागरूकता संबंधी कार्यक्रम व गतिविधियां आयोजित किये जा रहे है जिसके अंतर्गत आयुष विभाग के समस्त संस्थाओं में आहार-विहार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें स्कूली छात्र-छात्राओं एवं आमजनों को विशेष रूप से मौसम अनुसार आहार-विहार की जानकारी दिये गये एवं किसी भी प्रकार कि स्वास्थ्य संबंधी जानकारी व चिकित्सा हेतु अपने नजदीकी आयुष संस्थाओं में संपर्क करने कहा गया। छत्तीसगढ़ रजत जयंती कार्यक्रम का सफल क्रियान्वयन हेतु जिला आयुष अधिकारी डॉ. दिनेश चंद्रवंशी द्वारा विभाग के समस्त संस्थाओं की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ विभाग के अंतर्गत संचालित जवाहर लाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केंद्र, सेक्टर-9 में 10 सितम्बर 2025 को एक दिवसीय राजभाषा कार्यशाला का आयोजन कार्यपालक निदेशक डॉ. रविन्द्रनाथ एम. के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनीता द्विवेदी ने की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार, महाप्रबंधक राजीव कुमार विशेष रूप से मंचासीन थे।

मुख्य अतिथि डॉ. रविन्द्रनाथ ने अपने उद्बोधन में बताया कि, गैर-हिंदी भाषी क्षेत्र से होने के बावजूद मैंने रेडियो और टीवी के माध्यम से अपनी हिंदी भाषा में उल्लेखनीय सुधार किया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। रोगियों से संवाद और परामर्श देते समय उन्हें यह अनुभव हुआ, कि हिंदी का उपयोग क्यों महत्वपूर्ण है। इससे न केवल संवाद सरल होता है, बल्कि भाषा संबंधी कमियों को भी समझकर उन्हें सुधारने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में कई ऐसे ऑनलाइन टूल्स उपलब्ध हैं, जिनकी मदद से हिंदी में कार्य को अधिक सुगम और प्रभावशाली बनाया जा सकता है। डॉ. रविन्द्रनाथ ने चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफको हिंदी का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए प्रेरित किया और कहा, कि इससे न केवल कार्य में सरलता आएगी बल्कि संस्कृति से जुड़कर देश की मुख्यधारा से सीधे संपर्क भी स्थापित होगा।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों में हिंदी भाषा के प्रति रुझान बढ़ाना तथा हिंदी में कार्य करने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करना है। 'क' क्षेत्र के राज्यों में हिंदी में कार्य करने से सभी को सुविधा और सहजता होती है।

राजभाषा कार्यशाला में महाप्रबंधक शाहिद अहमद, महाप्रबंधक प्रशान्त तिवारी एवं महाप्रबंधक संजय दवे, सेक्टर-9 हास्पिटल के चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित थे। डॉ. उदय कुमार ने स्वागत उदबोधन प्रस्तुत करते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ विभाग में हिंदी में किये जाने वाले कार्यों पर प्रकाश डाला और इस पहल की सराहना की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. विनीता द्विवेदी ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि, विष्व के सभी विकसित देश अपनी भाषा में ही संवाद करते हैं और कार्य करते हैं। अंग्रेजी में कार्य करना एक फैशन के रूप में क्रमश: विकसित होता दिखाई पड़ रहा है, ऐसे दौर में हमें हिंदी में अपनी वार्तालाप को शुरू करते हुए बड़ी सहजता से संवाद किया जा सकता है। उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में मरीज से संवाद को किये जाने पर जोर देते हुए कई उदाहरण प्रस्तुत किए। महाप्रबंधक राजीव कुमार ने कहा कि, हिंदी में कार्यालयीन कार्य एवं पत्राचार करना हमारा संवैधानिक दायित्व है, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित राजभाषा नीति का अनुपालन हमें करना ही है। अनुपालन का निरीक्षण संसदीय राजभाषा समिति द्वारा समय-समय पर किया जाता है, हिंदी में कार्यालयीन कार्य करना देश की प्रगति में सहायक है। उन्होंने उपस्थितजनों को हिंदी में कार्य करने हेतु शपथ दिलाई। कार्यशाला के दौरान राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी, सामान्य ज्ञान, सुरक्षा एवं पर्यावरण पर आधारित एक रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का संचालन जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने किया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान लैब टेक्नीशियन अजय कुमार आर्य, द्वितीय स्थान उप प्रबंधक अलका तारे और तृतीय स्थान डिप्टी सी.एम.ओ. नूतन कुमार वर्मा ने प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त सीनियर कंसल्टेंट सुश्री सीमा वर्मा, ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. मनीषा कांगो तथा नर्सिंग स्टाफ प्रमिला मार्टिन प्रोत्साहन पुरस्कार विजेता रहे। विजेताओं को डॉ. विनीता द्विवेदी द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उप प्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने हिंदी के उपयोग की अनिवार्यता, संवैधानिक बाध्यता तथा अन्य नियमों की जानकारी देते हुए हिंदी में कार्य संपादन को सहज और लाभकारी बताया। कन्सल्टेंट डॉ. दीपक दाश मोहापात्रा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया तथा कार्यक्रम का संचालन मुख्य परामर्शदाता डॉ. आकांक्षा शर्मा ने किया।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव का अहिवारा में भव्य स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव नवीन दायित्व मिलने के पश्चात विगत दिन अपने जन्मस्थली अहिवारा पहुँचे, जहां क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने बाजे गाजे के साथ भव्य स्वागत अभिनंदन किया। क्षेत्र वासियों ने स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव को छत्तीसगढ़ी परंपरा अनुसार 5 प्रकार के कांसे के बर्तन भेंट की और जनसेवा में और आगे बढ़ने आशीष दी।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा की आज का दिन मेरे लिए भावनाओं से भरा और अविस्मरणीय रहा। नवीन दायित्व मिलने पर, अपनी जन्म स्थली अहिवारा में प्रियजनों एवं क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा मिले आत्मीय स्वागत और सम्मान के लिए मैं हृदय से आभार प्रकट करता हूँ। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, शिक्षा, खेती-किसानी को मजबूती देने और जल संवर्धन सहित जनभावनाओं से जुड़ी मांगों को पूरा करने का संकल्प लिया। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने नागरिकों की सुविधा हेतु अहिवारा से लगे बानबरद गांव के जल संसाधन कार्यालय में रेस्ट हाउस, मोहंदी में जलाशय, अहिवारा हाई स्कूल में डोम शेड, नंदौरी तथा मोहलाई जलाशय निर्माण तथा कपसदा जलाशय के जीर्णोद्धार का आश्वासन दिया। इसके अलावा उन्होंने नागरिकों को क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों में उन्नय, जीर्णोद्धार एवं अहाता निर्माण कराने का भी भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, जि. पं. अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, जि. पं. उपाध्यक्ष पवन शर्मा, धमधा ज पं. अध्यक्ष लिमन साहू, पूर्व विधायक लाभचंद बाफना, पूर्व न पं. अध्यक्ष नटवर लाल ताम्रकार, पूर्व महापौर चंद्रकांता मांडले, तथा पुरुषोत्तम देवांगन, रविशंकर, सतीश साहू सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

राठी रासायनिक खाद भण्डार अरमरीकला के विरूद्ध कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। उर्वरकों की कालाबाजारी, होर्डिंग, डायवर्सन एवं अन्य गतिविधियों की सतत निगरानी के संबंध में संचालक कृषि से प्राप्त निर्देश के अनुक्रम में संभाग, जिला एवं विकासखण्ड के उर्वरक निरीक्षकों द्वारा सहकारी एवं निजी उर्वरक विक्रय केन्द्रों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है तथा अनियमितता की स्थिति में संबंधित विक्रय केन्द्र के विरूद्ध त्वरित कार्यवाही की जा रही है।

इसी अनुक्रम में अरमरीकला विकासखण्ड गुरूर, जिला बालोद के मेसर्स राठी रासायनिक खाद भण्डार एवं मेसर्स गांधी कृषि केन्द्र, द्वारा कृषकों को पीओएस मशीन के माध्यम से आवश्यकता से अधिक मात्रा में उर्वरक विक्रय परिलक्षित होने पर 09 सितम्बर 2025 को संयुक्त संचालक कृषि, संभाग-दुर्ग के निर्देशन में संभागीय संयुक्त संचालक कृषि कार्यालय के सहायक संचालक कृषि तथा कृषि विकास अधिकारी पलारी, वि.खं. गुरूर द्वारा उक्त विक्रेताओं से उर्वरक क्रेता कृषकों से व्यक्तिगत संपर्क कर बयान लिया गया।

जिसके अनुसार पाया गया कि कृषकों द्वारा खरीफफसल हेतु क्रय किये गये उर्वरक मात्रा से अत्यधिक मात्रा विक्रेता द्वारा च्वै मशीन में उनके नाम से दर्ज किया गया है, जिन कृषकों द्वारा प्रतिष्ठान से उर्वरक क्रय ही नहीं किया गया है उनके नाम से भी पीओएस मशीन में विक्रय मात्रा दर्ज की गई है तथा निर्धारित दर से अधिक दर पर कृषकों को उर्वरक का विक्रय प्रतिष्ठान द्वारा किया गया है।

संभागायुक्त राठौर ने अपराधी को केन्द्रीय जेल दुर्ग में निरूद्ध करने दिये आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग संभाग के आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के प्रतिवेदन पर स्वापक, औषधि और मन: प्रभावी पदार्थ, अवैध व्यापार, निवारण अधिनियम-1988 की धारा-3 सहपठित धारा-11 के तहत न्यायालयीन आदेश पारित कर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त विनोद तिवारी पिता मारकण्डे तिवारी निवासी वृन्दानगर केम्प 01, वार्ड 29 शासकीय स्कूल के पास थाना वैशाली नगर तहसील व जिला दुर्ग को तीन माह की अवधि के लिए केन्द्रीय जेल दुर्ग में निरूद्ध करने हेतु आदेशित किया है। आदेश पारित करने के पूर्व संभाग आयुक्त द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत जवाब/तर्क एवं शपथ पूर्वक कथन का अध्ययन तथा प्रकरण में प्रस्तुत इस्तगासा मय दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। तथ्य के अनुसार विनोद तिवारी पिता मारकण्डे तिवारी के विरुद्ध वर्ष 2022, 2023 व 2025 में लगातार नारकोटिक्स एक्ट के कुल 03 मामले एवं बीएनएस धारा 126, 135 (3) थाना वैशाली नगर में दर्ज कर कार्यवाही की गई। विनोद तिवारी के विरूद्ध दर्ज प्रकरण क्रमांक एनडीपीएस 309/2022 में 15 मार्च 2024 को न्यायालय द्वारा दोष मुक्त किया गया है। उक्त मामले में अनावेदक 15 दिसम्बर 2022 से 15 मार्च 2024 तक अभिरक्षा में रहा है। अपराध क्रमांक 2018/2023 में न्यायालय द्वारा अनावेदक को दोष मुक्त किया गया है तथा अपराध क्रमांक 62/2025 वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है। अनावेदक जेल से जमानत पर छूट जाने के पश्चात् लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है तथा उसकी प्रवृत्ति में कोई सुधार प्रतीत नहीं होता है। वर्तमान में भी अनावेदक के विरूद्ध शराब व गांजा सहित अन्य मादक पदार्थ भी बेचने की शिकायत भी लगातार मिलती रही है। अनावेदक का जमानत पर न्यायालय से छूट जाने से उसका मनोबल बढ़ता जा रहा है। अनावेदक अवैध रूप से शराब व नशीली टेबलेट जैसे पदार्थ का अवैध व्यापार करने का आदी हो गया है। अनावेदक के आपराधिक गतिविधियों से समाज में रहने से विपरीत प्रभाव पढ़ने से संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, ऐसी स्थिति में प्रकरण में आये प्रतिवेदन, जवाब, साक्षियों के बयान एवं तर्क के आधार पर विनोद तिवारी को केन्द्रीय जेल दुर्ग में निरूद्ध किया जाना आवश्यक है।

ज्ञात हो कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के प्रतिवेदन के अनुसार अनावेदक विनोद तिवारी स्वापक एवं मन:प्रभावी पदार्थों के अवैध संग्रहण विक्रय करने आदतन आपराधी एवं तस्कर है। अनावेदक एवं उनके साथीदारान के सदस्यों का आम जनता में इतना भय एवं आतंक है कि इसके विरूद्ध कोई व्यक्ति गवाह बनने या सूचना देने को तैयार नहीं है। अनावेदक अवैध रूप से गांजा एवं नशीली दवाइयों के विक्रय में संलिप्त है तथा नाबालिग एवं युवा वर्ग को गांजे की पुड़िया एवं नशीली दवाइयां विक्रय करने से समाज में नाबालिग, युवा वर्ग एवं मजदूर वर्ग के लोग नशे की गिरफ्त में है। उनका यह कृत्य स्वस्थ्य एवं समाज के लिए हानिकारक है।

संभाग आयुक्त राठौर ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए 08 सितम्बर 2025 को न्यायालयीन आदेश पारित कर आपराधिक प्रवृत्ति में संलिप्त विनोद तिवारी को केन्द्रीय जेल दुर्ग में निरूद्ध किये जाने की तिथि से 03 माह तक की अवधि के लिए निरूद्ध करने आदेशित किया है।

सेवा पखवाड़ा में प्रबुद्ध सम्मेलन, दिव्यांग किट वितरण एवं रक्तदान प्रमुख-हर्षिता पाण्डेय

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के निर्देशन में भाजपा जिला भिलाई का सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम को लेकर कार्यशाला सम्पन्न हुई। इस अवसर पर मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश मंत्री हर्षिता पाण्डेय थीं। कार्यशाला की अध्यक्षता पुरूषोत्तम देवांगन (अध्यक्ष भाजपा जिला भिलाई) ने किया। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम भारतमाता, पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी के तैलचित्र पर दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। 17 सितम्बर को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिवस को ऐतिहासिक व भव्यता प्रदान करते हुए मोदी के विजन सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण को ध्यान में रख सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाए जाने का निर्णय लिया गया। यह कार्यक्रम 17

सितम्बर से प्रारंभ होकर 02 अक्टूबर तक चलेगा। इस अवसर पर मुख्य वक्ता हर्षिता पाण्डेय ने कहा हम प्रतिवर्ष सेवा पखवाड़ा मनाते है, परन्तु इस वर्ष का सेवा पखवाड़ा हम सबके लिए ऐतिहासिक रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के 75वें जन्मदिवस को ऐतिहासिक करने के लिए स्वच्छता अभियान एवं रक्तदान शिविर से पखवाड़े का शुभारंभ होगा।

स्वास्थ्य केन्द्रो में प्रधानमंत्रीजी का लाईव संबोधन सुनने को मिलेगा। पखवाड़ा अतंर्गत प्रधानमंत्री के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी, द्वितीय चरण में मण्डल स्तर पर रक्तदान शितिर, जिला स्तरीय प्रबुद्ध संवाद सम्मेलन, मोदीजी के जीवन पर आधारित डाक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन, प्रधानमंत्री पर आधारित पुस्तक का वितरण, आत्मनिर्भर भारत-विकसित भारत थीम पर नमो मैराथन, 25 सितम्बर को पं. दीनदयाल उपाध्याय की जंयती पर एक पेड़ मों के नाम, बूथ स्तर पर वृद्ध वृक्षारोपण, दीनदयाल उपाध्याय की जीवनी पर संगोष्ठी, वोकल फॉर लोकल आत्मनिर्भर भारत पर प्रदर्शनी, दिव्यांगों का उपकरण वितरण, 2 अक्टूबर को लाल बहादुर शास्त्री एवं महात्मा गांधी की जयंती पर स्वच्छता अभियान, विकसित भारत चित्रकला प्रतियोगिता, नमो वन नमो पार्क एवं खेलकूद प्रतियोगिता जैसे कार्यों को सम्पन्न कराने के लिये कार्यकर्ताओं को सह विस्तार मार्गदर्शन दिया गया। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने इस अवसर पर कहा कि संगठन के द्वारा जो भी कार्य भिलाई जिला को दिया जायेगा, उस कार्य को सफलतापूवर्क सम्पन्न कराने में मेरा योगदान हमेशा रहेगा। जिलाध्यक्ष पुरूषोत्तम देवांगन ने कहा अबतक भिलाई जिला के द्वारा प्रदेश संगठन के निर्देशों का पालन करते हुए सफलतम कार्यक्रम किये हैं। सेवा पखवाड़ा का कार्यक्रम को हम सब मिलकर टीम भावना से कार्य करते हुये पूर्ण रूप से संपन्न कराएंगें। सभी कार्यक्रमों हेतु टीम घोषित की गई है, ज्निको जो जिम्मेदारी मिली है, उसका निर्वहन करते हुए सेवा पखवाड़ा के कार्यक्रम को सम्पन्न कराने के लिए कार्यशाला में मार्गदर्शन दिया गया है। कार्यक्रम की प्रस्तावना सेवा पखवाड़ा के संयोजक बिजेन्द्र सिंह, संचालन जिला महामंत्री प्रेमलाल साहू तथा आभार प्रदर्शन सेवा पखवाड़ा के सह संयोजक विजय जायसवाल ने किया। इस अवसर पर ब्रजेश बिचपुरिया, वीरेन्द्र साहू, शिरिष अग्रवाल, रविशंकर सिंह, खिलावन साहू, तुलसी साहू, दया सिंह, रामखिलावन वर्मा, अशोक बाफना सहित संजय दानी, विनोद सिंह, विनोद देवांगन, के. गणपति, मिथिला खिचरिया, उपासना साहू स्वीटी कौशिक, अमित मिश्रा, द्वारिका चंद्रवंशी, सुन्दरलाल साहू, डॉ प्रदीप चौधरी, जे. पी. घनघोरकर, महेन्द्र शर्मा, राजेन्द्र सिंह, तरूण सिंह, शशिभगत, दीपक भोडेकर, गोपाल साहू, गोल्डी सोनी, रोहित साहू धर्मेन्द्र सिंह, रूपराम साहू, विजय शुक्ला, चंदेश्वरी बांधे, विनय सेन, सौरभ जायसवाल, सरला आचार्य, पूर्णिमा ठाकुर सहित अपेक्षित श्रेणी के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

नवजात शिशुओं के नाम पर फलदार पौधों का वितरण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप, जिला प्रशासन रायपुर ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में चल रहे प्रोजेक्ट ग्रीन पालना अभियान इस अनूठी पहल के अंतर्गत, सरकारी अस्पतालों में प्रसव उपरांत माताओं को 5 फलदार पौधों :- आम, अमरूद, जामुन, पपीता और मुनगा दिया जा रहा है। इस अभियान के तहत एमसीएच कालीबाड़ी 10, उरला बिरगांव 03, धरसीवां ब्लॉक 02, अभनपुर 05, तिल्दा 01, कुल 21 प्रसूताओं को 105 पौधे भेंट किए गए। यह पहल न केवल नवजात शिशु के जीवन की नई शुरुआत का प्रतीक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली और स्वच्छ पर्यावरण का संदेश भी देती है।

चेक डैम से सिंचाई के लिए मिलने लगा पर्याप्त पानी

रायपुर। मनरेगा से बनाए गए चेक डैम से किसानों को न केवल सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल रहा है, बल्कि इसने जल स्रोतों का जलस्तर भी बढ़ा दिया है। बिलासपुर जिले के बिल्हा विकासखंड के कोरबी ग्राम पंचायत में पांच लाख 27 हजार रुपए की लागत से मनरेगा से निर्मित चेक डैम ने लोगों की जिंदगी बदल दी है। गाँव की प्यास बुझाने और खेतों की हरियाली लौटाने में यह अहम साबित हो रहा है। सिंचाई के लिए पानी मिलने से अब यहां के किसान दो से तीन फसलें भी ले रहे हैं। चेक डैम बनने के बाद क्षेत्र में जल संरक्षण और सिंचाई की स्थिति

में बड़ा सुधार आया है। अब मानसून के बाद भी लंबे समय तक पानी उपलब्ध रहता है।

खेतों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलने लगा है, जलस्तर बढ़ा है और ग्रामीणों को पेयजल संकट से राहत मिली है। खेतों तक समय पर पानी पहुंचने से पैदावार में भी बढ़ोतरी हुई है। कोरबी ग्राम पंचायत का यह चेक डैम जल संचय और जल संरक्षण का सफल उदाहरण बन गया है। कोरबी के लोग बताते हैं कि पहले गांव में नाले का पानी बिना रुके बह जाता था, जिससे खेत सूखे रहते थे और सिंचाई नहीं हो पाती थी। जल संचय की व्यवस्था नहीं होने से बारिश के पानी का सदुपयोग नहीं हो पा रहा था जिससे खेती के लिए हमेशा जल का अभाव बना रहता था। मनरेगा से बने चेक डैम ने अब ग्रामीणों को कई समस्याओं से निजात दिला दी है।

सांसद अग्रवाल ने टीम इंडिया को दी बधाई, हॉकी एशिया कप में शानदार जीत पर जताया गर्व

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने पुरुष हॉकी एशिया कप 2025 में टीम इंडिया की शानदार जीत पर देशवासियों की ओर से हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारतीय हॉकी टीम ने चौथी बार एशिया कप का खिताब जीतकर न केवल ट्रॉफी हासिल की, बल्कि 2026 के वर्ल्ड कप के लिए भी अपनी जगह पक्की कर ली है। यह उपलब्धि पूरे देश के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत बनी है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि यह जीत केवल खेल में सफलता नहीं, बल्कि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन, जुनून और टीम वर्क का शानदार उदाहरण है। उन्होंने खिलाड़ियों की लगन, परिश्रम और खेल भावना की सराहना करते हुए कहा कि उनकी जीत ने पूरे देश का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया है। इस उपलब्धि ने युवाओं में आत्मविश्वास, जोश और खेलों के प्रति नई ऊर्जा भर दी है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे आयोजन और जीतें देश की खेल संस्कृति को मजबूत बनाती हैं और आने वाले खिलाड़ियों को प्रेरणा देती हैं। भारतीय हॉकी का यह प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का नाम और रुतबा बढ़ाने वाला है। उन्होंने यह भी कहा कि टीम इंडिया ने जिस संयम और रणनीति से खेलते हुए एशिया कप का खिताब अपने नाम किया, वह आने वाले बड़े टूर्नामेंटों में भी सफलता का मार्ग प्रशस्त करेगा।

सांसद ने पूरे देशवासियों से अपील की कि वे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाएं और खेलों को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि देश की युवा पीढ़ी को खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना आवश्यक है ताकि भारत खेलों में और ऊंचाइयों तक पहुँचे। इस अवसर पर बृजमोहन अग्रवाल ने टीम इंडिया के कोच, सहयोगी स्टाफ और पूरे समर्थन तंत्र की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की सफलता के पीछे उनकी टीम का समर्पण, प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन और खेल प्रेमियों का समर्थन है।

भाजपा सांसदों की कार्यशाला का बृजमोहन ने किया संचालन

सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने नई दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर में आयोजित भाजपा सांसदों की कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने शहरी सांसदों की स्वच्छता पर केंद्रित कार्यशाला का संचालन किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बैठक में स्वच्छता अभियान एवं समुचित शहरीकरण पर विशेष जोर दिया। उनका स्पष्ट कहना था कि यदि शहरों का विकास योजनाबद्ध और सशक्त ढंग से होगा, तो गांव और ग्रामीण सभ्यता का विकास अपने आप सुनिश्चित होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने सभी सांसदों से आह्वान किया कि त्यौहारों के समय अधिक से अधिक स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं की खरीद से न केवल स्थानीय व्यापार एवं उद्योग को बढ़ावा मिलेगा बल्कि देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में और तेजी से आगे बढ़ेगा। इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और अर्थव्यवस्था और भी सशक्त बनेगी। सांसद बृजमोहन ने यह भी कहा कि कभी भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी, आज चौथे स्थान पर है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचेगी। यह उपलब्धि तभी स्थायी होगी जब हम सभी स्वदेशी उत्पादों को अपनाएंगे।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने सांसदों को निर्देशित किया कि हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक गेम्स पर लगाए गए प्रतिबंध की जानकारी अपने-अपने क्षेत्रों के प्रत्येक घर तक पहुंचाएं, ताकि आने वाली पीढ़ी सुरक्षित और सशक्त बन सके। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में 2047 तक विकसित भारत का जो संकल्प लिया गया है, उसमें स्वदेशी उत्पादों की बढ़ोतरी और उनका व्यापक उपयोग अहम भूमिका निभाएगा। यही ग्रामीण समृद्धि, शहरी विकास और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

बृजमोहन अग्रवाल ने हाल ही में हुए GST सुधारों को क्रांतिकारी बताते हुए कहा कि यह कदम आम नागरिकों के जीवन में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला है। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से बीमा और जीवन-उपयोगी दवाइयाँ बेहद सस्ती होंगी। साथ ही डेयरी उत्पादों और रोजमर्रा की जरूरत का सामान भी अब लोगों को कम दामों पर उपलब्ध होगा। सांसद अग्रवाल ने कहा कि त्योहारों के समय यह निर्णय उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। इससे आमजन को सस्ता और गुणवत्तापूर्ण सामान मिलेगा, व्यापार को नई गति मिलेगी और आर्थिक गतिविधियाँ तेज होंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में किए जा रहे ये सुधार आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को मजबूत करने वाले हैं और देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों पर ले जाएंगे।

शहर में सफाई, पेयजल की समस्याओं के समाधान में युवा विद्यार्थी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है-महापौर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी शहर रायपुर की प्रथम नागरिक नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने शंकराचार्य व्यवसायिक प्रबंधन तकनीकी संस्थान में रायपुर नगर पालिक निगम के विषय संदर्भ में जलप्रबंधन, कचरा प्रबंधन, परिवहन, यातायात, तालाबो एवं नदी के संरक्षण के विषयो पर आयोजित राष्ट्रीय हैकथॉन नवोनमेश 2025 के पोस्टर का विमोचन किया।

महापौर मीनल चौबे ने शंकराचार्य संस्थान के इंजीनियरिंग छात्रो से रायपुर शहर की मौलिक जनसमस्याओं के समाधान के कार्य में जनजागृति लाकर सहभागिता दर्ज कराने की अपील की। महापौर ने कहा कि राज्य की राजधानी रायपुर शहर में नागरिको को बेहत्तर जीवन शैली देने समस्याओ के निदान में योग्य युवा अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते है। महापौर ने कहा कि राज्य की राजधानी रायपुर शहर में सुव्यवस्थित जल प्रबंधन करके टंकियो के माध्यम से पाईप लाईन कनेक्ट कर नागरिको के घरो तक नदी का मीठा जल उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण कार्य है। वहीं शहर में मानसून में तेज बारिश के दौरान विभिन्न स्थानो पर जलभराव की समस्या आ जाने से नागरिको को होने वाली असुविधा को दूर करने का कार्य किया जाना आवश्यक है। इस हेतु जब से वे महापौर बनी है तब से निरंतर प्रयासरत है कि नगरवासियो की समस्याओ का अच्छी तरह समाधान किया जा सके। नागरिक अपनी समस्याएं लेकर रायपुर नगर निगम आते है जिन्हे सुनकर हर संभव प्रयास समस्याओ के निराकरण का किया जाता है।

महापौर मीनल चौबे ने कहा कि निर्धारित मानको के अनुसार स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण में रायपुर को स्वच्छ शहर बनाने जनता को जागरूक बनाकर लगातार कार्य करना होता है। महापौर ने कहा कि रायपुर को सजाने और संवारने के कार्य में और नागरिको को जागरूक बनाने के कार्य में युवा वर्ग और विद्यार्थी अहम भूमिका निभा सकते है। विद्यार्थियो एवं युवाओ को सहभागिता दर्ज करवाकर नगरवासियों को जागरूक बनाने एवं समस्याओ के त्वरित समाधान हेतु अपना सहयोग देने आगे आना चाहिए। हम नगर निगम के माध्यम से रायपुर शहर के निवासियों की समस्याओ का समुचित समाधान करने निरंतर कार्य करेंगे और इसमें युवाओ की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। शंकराचार्य व्यवसायिक प्रबंधन तकनीकी संस्थान पहुंचने पर महापौर मीनल चौबे का आत्मीय स्वागत किया गया। एसजीईएस भिलाई के अध्यक्ष एलपी मिश्रा और शंकराचार्य व्यवसायिक प्रबंधन तकनीकी संस्थान के प्रोफेसर डॉ. धीरेन्द्र सिंह छत्री, ऐसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुमन कुमार स्पर्णकार, एसजीईएस भिलाई के सचिव निशांत त्रिपाठी, शासकीय नवीन कॉलेज गुढियारी रायपुर की सहायक प्रोफेसर डॉ. शुभ्रा मिश्रा, सीएसवीटीयू मिलाई के कुलपति डॉ. अरूण अरोरा ने रायपुर शहर में नगर निगम रायपुर द्वारा महापौर मीनल चौबे के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में नगरवासियों को अच्छी मौलिक सुविधाएं दिये जाने को लेकर सराहना की एवं इंजीनियरिंग के विद्यार्थियो से समाज में अपनी महती भूमिका निभाने नगर की समस्याओ की जानकारी लेकर उससे जुडकर उसके निदान में सहभागिता दर्ज करवाने की अपील की।

अपने गुणों की वृद्धि करने अशुभ भावों को छोड़ें : मनीष सागर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। टैगोर नगर पटवा भवन में मंगलवार को उपाध्याय भगवंत युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने अशुभ भावों को छोड़ने की सीख दी। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि भावों को परमात्मा से जोड़ दो सदैव शुभ भाव ही आएंगे। भाव बिगड़ने में एक क्षण नहीं लगता। पुरुषार्थ पूर्वक अशुभ भावों से शुभ भाव में आने का प्रयास करना है। अशुभ भावों से बचेंगे तभी शुभ भावों का संस्कार बनेगा।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि दोषों को छोड़ने से ही गुण की प्राप्ति होगी। वस्तु छोड़ना एक माध्यम बन सकता है। अपने दोषों की जिम्मेदारी स्वीकार करना चाहिए। भावों को बिगाड़ना नहीं है। जब हम अपने भावों को अच्छा करेंगे तो दोष हमें स्वयं छोड़ेंगे। दान देना है तो हम दोष नहीं छोड़ते,धन छोड़ते हैं। उपवास करना तो हम आसक्ति नहीं छोड़ते,आहार छोड़ते हैं। चिंतन करें वस्तु को छोड़कर गुण प्राप्त नहीं कर सकते। गुण की प्राप्ति केवल दोष छोड़ने से ही होगी।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि भीतर का अहंकार और क्रोध को छोड़ने से ही क्षमा आएगी। हाथ जोड़कर क्षमा मांगना एक माध्यम हो सकता है। क्रिया ही भाव उत्पत्ति का साधन है। क्रिया के द्वारा भाव को उत्पन्न करना है। पहले दोष छोड़ने का भाव और दूसरा गुण ग्रहण करने का भाव होना चाहिए। यदि दोष निकलते जाएंगे तो क्रोध, लोभ, मोह, माया और आसक्ति भोग के विषय छूटेंगे। गुण बढ़ेगा तो समता, विनय, सरलता, सहनशीलता क्षमन बढ़ेगी।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि भीतर में भी नफा नुकसान देखना होगा। दोष कितने छुटे व गुण कितने बढ़े चिंतन आवश्यक है। मन जब तक दोष छोड़ने के लिए राजी नहीं होगा तो गुण ग्रहण का भाव नहीं होगा। अपने भावों का विश्लेषण करना चाहिए। छोटे-छोटे भावों को कमजोर नहीं मानना चाहिए। विकारों को त्याग करना लक्ष्य बनाना है। लक्ष्य रहेगा तभी प्रयास होगा। भावों को बिगड़ने से कर्म बंध होता है। इच्छाओं, भावनाओं, राग, द्वेष एवं मोह से कर्म बंध होता है। भावों से जो कर्म बंधन करते हैं, उसका भुगतान करना ही पड़ता है।

महिलाओं व किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए संकल्पः हेव अभियान की शुरुआत

10 दिवसीय राज्यव्यापी जागरूकता अभियान में कानून, स्वास्थ्य और योजनाओं की मिलेगी जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग ने मिशन शक्ति के अंतर्गत संकल्पः हेव नामक विशेष 10 दिवसीय राज्यव्यापी जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं, किशोरियों और बच्चों को कानूनी अधिकार, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा और शासकीय योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर और जागरूक बनाना है।

प्रदेश के सभी जिलों के शहरी व ग्रामीण आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों और समुदायों में इस दौरान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रमों में हब की टीमें उपस्थित हितग्राहियों को पॉक्सो अधिनियम, माहवारी स्वच्छता, प्रजनन क्षमता विकास, भ्रुण हत्या निषेध, समानता का अधिकार, पोषण एवं स्वास्थ्य जैसे विषयों से अवगत करा रही हैं। साथ ही सखी वन स्टॉप सेंटर, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, महतारी वंदन योजना और नोनी सुरक्षा योजना की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की जा रही है।

इस अभियान के अंतर्गत विशेषज्ञ टीमें महिला उत्पीडन, रोकथाम, बाल विवाह निषेध, पोषण सुधार और आर्थिक आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दे रही हैं। महिलाओं और किशोरियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित की जा रही है, वहीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को जागरूकता के प्रसार हेतु प्रशिक्षित की जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार का कहना है कि यह पहल केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता की दिशा में ठोस कदम है। सरकार का लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ की हर महिला और किशोरी सशक्त, आत्मनिर्भर और अधिकारों के प्रति सजग नागरिक बने।

साइंस कालेज एलुमिनी समिति ने रोपा पौधा बैठक में विभिन्न विषयों पर की गई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासकीय विज्ञान महाविद्यालय रायपुर के एलुमिनी समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में महाविद्यालय के चालू सत्र में एलुमिनी समिति की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों पर विचार विमर्श किया गया ।

इस बैठक में समिति की सक्रियता बढ़ाने तथा 11 अक्टूबर को समिति का पुनर्गठन कर नयी समिति के गठन का निर्णय सर्व सम्मति से लिया गया। बैठक के उपरांत छग राज्य के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में महाविद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया किया गया जिसमें फलदार आम जैसे पौधों का रोपण महाविद्यालय परिसर में क्या गया है। इस कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष अंजय शुक्ला, डॉ गिरीश कांत पांडेय, रवीन्द्र मिश्रा, शकील साजिद, शिव भाई एवं अन्य सदस्य गण एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक गण तथा कर्मचारी गण भी उपस्थित हुए। समिति ने यह भी निर्णय लिया कि वह शहर तथा उसके आसपास की उपलब्ध भूमि पर फलदार पौधों के रोपण प्रोत्साहित करने के लिए शासन एवं वन विभाग से चर्चा करेगी। इससे शहर में लोगों को फलों की उपलब्धता बढ़ेगी तथा पक्षियों को फल मिलने के साथ आश्रय भी मिलेगा।

राज्य ओपन स्कूल हाई व हायर सेकेण्डरी परीक्षा के लिए विलंब शुल्क के साथ आवेदन कल से

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल, रायपुर ने हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूल परीक्षा नवम्बर 2025 के लिए आवेदन प्रक्रिया आज से शुरू कर दी है। राज्य के वे सभी छात्र जो ओपन स्कूल के माध्यम से परीक्षा देना चाहते हैं, वे आधिकारिक वेबसाइट https://sos.cg.nic.in/ पर जाकर ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भर सकते हैं। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के सचिव ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि विद्यार्थियों के लिए सामान्य शुल्क के साथ आवेदन करने की अंतिम तिथि 8 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई थी। इसके बाद जो छात्र आवेदन करना चाहेंगे, उन्हें 11 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2025 तक विलंब शुल्क के साथ आवेदन करना होगा। निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन करना आवश्यक है, अन्यथा परीक्षा में शामिल होने का अवसर नहीं मिलेगा।

यह आवेदन उन छात्रों के लिए है जो नियमित स्कूलों में पढ़ाई नहीं कर रहे या किसी कारणवश परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए हैं। ओपन स्कूल के माध्यम से वे अपने शैक्षणिक लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं। परीक्षा में सम्मिलित होकर छात्र प्रमाणपत्र प्राप्त कर आगे की पढ़ाई या रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया छात्रों को आवेदन के लिए सबसे पहले वेबसाइट पर जाकर अपना पंजीकरण करना होगा। इसके बाद आवश्यक जानकारी, जैसे व्यक्तिगत विवरण, शिक्षा संबंधी जानकारी, फोटो और हस्ताक्षर अपलोड करने होंगे। साथ ही परीक्षा शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करना होगा। आवेदन के बाद छात्रों को आवेदन संख्या मिल जाएगी, जिसे सुरक्षित रखना आवश्यक है।

ओपन स्कूल सचिव ने सभी विद्यार्थियों से समय पर आवेदन करने की अपील की है ताकि किसी तकनीकी समस्या या अन्य कारण से आवेदन में विलंब न हो। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों को आवेदन फॉर्म भरते समय सही जानकारी देने पर विशेष ध्यान देना चाहिए ताकि परीक्षा प्रक्रिया सुचारु रूप से पूरी हो सके। शैक्षणिक सुविधा बढ़ाने का प्रयास राज्य ओपन स्कूल का उद्देश्य उन विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ना है जो किसी कारणवश नियमित शिक्षा व्यवस्था में नहीं रह पाए।

परीक्षा प्रणाली को सरल बनाकर छात्रों को शिक्षित करना और उन्हें प्रमाणित परीक्षा प्रणाली से जोड़ना इसका मुख्य लक्ष्य है। इस बार की परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू होते ही छात्रों में उत्साह देखा जा रहा है। कई छात्रों ने वेबसाइट पर जाकर आवेदन फॉर्म भरना शुरू कर दिया है। प्रशासन ने भी आवेदन प्रक्रिया को पारदर्शी और आसान बनाने के लिए हेल्पलाइन नंबर और निर्देश जारी किए हैं।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड ट्रेलर रिलीज, इंडस्ट्री के काले सच से हटा आधा पर्दा, पहली बार साथ में दिखेंगे तीनों खान

नेटफ्लिक्स की बहुप्रतीक्षित सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड का ट्रेलर अब रिलीज हो गया है। पिछले महीने पहले प्रीव्यू के बाद, आर्यन खान के निर्देशन में बनी इस पहली फिल्म के प्रति प्रशंसकों की उत्सुकता काफी बढ़ गई है। जोरदार और बेहद मनोरंजक, सात एपिसोड वाली यह सीरीज तीखे वन-लाइनर्स और बेबाक रूप से बड़े-से-बड़े पलों से भरपूर है। रेड चिलीज एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित, यह सीरीज पहले से ही साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बनने की ओर अग्रसर है।

इस सीरीज की कहानी आसमान सिंह (लक्ष्य) पर आधारित है, जो एक महत्वाकांक्षी न्यूकमर कलाकार है और जिसके सपने बड़े पर्दे जितने ही बड़े हैं। अपने वफादार दोस्त परवेज़ (राघव जुयाल), तीखी-मिजाज मैनेजर सान्या (अन्या सिंह) और हमेशा साथ देने वाले अपने परिवार- अपने चाचा अवतार (मनोज पाहवा), मां नीता सिंह (मोना सिंह) और पिता रजत सिंह (विजयंत कोहली) के साथ, आसमान चमक-दमक और हिम्मत की दुनिया में कदम रखता है। उसे जल्द ही एहसास होता है कि सपनों की एक कीमत चुकानी पड़ती है, खासकर जब महत्वाकांक्षा और अहंकार आपस में टकराते हैं। आसमान खुद को अब तक की सबसे बड़ी चुनौती, सुपरस्टार अजय तलवार (बॉबी देओल) के सामने पाता है, जब उसे उसकी बेटी, बॉलीवुड की नवोदित अभिनेत्री करिश्मा (सहर बांबा) के साथ कास्ट किया जाता है। निर्माता फ्रेडी सोडावाला (मनीष चौधरी) और वापसी के लिए बेताब गुजरे जमाने के अभिनेता जराज सक्सेना (रजत बेदी) को इसमें शामिल कर लीजिए, और फिर हिंदी सिनेमा के अनूठे तमाशे के बीच एक तीखी, आत्म-जागरूक कहानी सामने आती है।

बॉलीवुड के प्रशंसकों का सपना द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के प्रीव्यू और ट्रेलर के साथ साकार हो गया है, जिसमें एक यादगार कैमियो की झलक दिखाई गई है। तीनों खान पहली बार एक साथ नजर आ रहे हैं। कई दमदार कलाकारों के साथ, रणवीर सिंह, सारा अली खान, एसएस राजामौली, बादशाह, दिशा पटानी और उनके जैसे कई सितारों की दमदार उपस्थिति दर्शकों को रोमांचित करेगी और 18 सितंबर को नेटफ्लिक्स सीरीज के भव्य प्रीमियर के लिए उत्सुकता बढ़ाएगी। टी-सीरीज के सहयोग से द बैड्स ऑफ बॉलीवुड का संगीत इस शो के जश्न के जोश को और बढ़ा देता है। इस एल्बम को शाश्वत सचदेव ने संगीत दिया है, और गेस्ट संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर और उज्ज्वल गुप्ता हैं। अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा रचित और अरिजीत सिंह व अमीरा गिल द्वारा गाए गए पहले ट्रैक, बदली सी हवा है ने जोश और उत्साह से भरपूर गाने ने प्रशंसकों के दिलों में अपनी जगह बना ली है।

प्लेलिस्ट में तू पहली तू आखिरी जिसे शाश्वत सचदेव ने रचा, निर्मित और सेट किया है और अरिजीत सिंह ने गाया है, ने इस उत्साह को और बढ़ा दिया है, और दोनों ही गानों ने इस सीरीज के भव्य प्रीमियर के लिए उत्सुकता बढ़ा दी है, द बैड्स ऑफ बॉलीवुड सिर्फ एक सीरीज नहीं ह। यह पर्दे के पीछे की दुनिया के लिए एक चुटीला, बिना किसी फिल्टर वाला टोस्ट (और रोस्ट) है। सीरीज को 18 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर देखें! फिल्म की निर्माता गौरी खान, कार्यकारी निर्माता बोनी जैन, अक्षत वर्मा, निर्माता और निर्देशक आर्यन खान, सह-निर्माता बिलाल सिद्दीकी, मानव चौहान, लेखक आर्यन खान, बिलाल सिद्दीकी, मानव चौहान, निर्माता रेड चिलीज एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड हैं। फिल्म की स्टारकास्ट में बॉबी देओल, लक्ष्य, सहर बाम्बा, राघव जुयाल, मनोज पाहवा, मोना सिंह, मनीष चौधरी, आन्या सिंह, विजयंत कोहली, गौतमी कपूर और रजत बेदी हैं।

सपना चौधरी के धमाकेदार ठुमकों ने लूटा दिल

सपना चौधरी का नया वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। उन्होंने अपना डांस वीडियो शेयर किया, जिसमें उनके शानदार मूव्स के शौकीन इंप्रेस हो गए और कमेंट करने लगे। सपना चौधरी डांस: हरियाणा की मशहूर डांसर और एक्ट्रेस सपना चौधरी एक बार फिर से सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैं।

वह अपने चाहने वालों के साथ अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल जिंदगी के किस्से शेयर करती रहती हैं इस बार भी यही हुआ है। सपना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह बिल्कुल अलग तरह से नजर आ रही हैं। साथ ही उनके डांस को देखकर प्रशंसक एक बार फिर डांसर पर लट्टू हो गए हैं और उनके ट्रांसफॉर्मेशन को देखकर भी हैरान हो रहे हैं। सपना चौधरी का डांस वीडियो हुआ वायरल (सपना चौधरी डांस वीडियो) वायरल वीडियो में सपना चौधरी बिना मेकअप के, काले रंग के जंपसुत में दिख रही हैं और शानदार डांस भी कर रही हैं। वह नेहा भसीन के गाने 'जूती मेरी' पर डांस करती नजर आ रही हैं। उनके डांस मूव्स और फिजिकल के हाव-भाव बिल्कुल असली और शानदार लग रहे हैं। साथ ही वह बेहद बहुमुखी भी दिख रही हैं। सपना ने जैसे ही ये वीडियो शेयर किया उनके शेयर किए गए लाइक्स ने कमेंट की लाइन लगा दी।

क्या आइटम सॉन्ग मुन्नी बदनाम में मलायका अरोड़ा को नहीं चाहते थे सलमान खान और अरबाज खान?

दबंग सलमान खान की लोकप्रिय फिल्मों में से एक है, लेकिन इस फिल्म से भी ज्यादा मशहूर हुआ इसका गाना, मुन्नी बदनाम। इस गाने के अनोखे बोल और जोशीले गाने शादियों और पार्टियों जैसे मौकों पर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर देते हैं। हाल ही में मीडिया पोर्टल से बातचीत में, फिल्म के निर्देशक ने खुलासा किया कि न तो सलमान और न ही अरबाज, मलाइका अरोड़ा को इस गाने का चेहरा बनाने के विचार से सहमत थे।

अभिनव कश्यप ने आगे मीडिया से बातचीत में बताया कि उन्हें दोनों भाइयों को मनाने में कई बार मशक्कत करनी पड़ी, जिसके बाद आखिरकार वे इस योजना पर राजी हुए। सलमान और अरबाज ने मुन्नी बदनाम में मलाइका अरोड़ा के डांस करने के विचार को क्यों ठुकरा दिया?

इंडल्ज एक्सप्रेस की रिपोर्ट्स के मुताबिक, मीडिया पोर्टल को दिए एक इंटरव्यू में, इस हिट कॉप फिल्म के निर्देशक ने बताया कि दोनों भाई मलाइका की छवि को लेकर चिंतित थे। कश्यप ने बताया कि अरबाज, जो उस समय अरोड़ा से विवाहित थे, यह बात पसंद नहीं करते थे कि उनकी पत्नी को 'आइटम गर्ल' कहा जाएगा। उन्होंने आगे कहा, मलाइका के सलमान के साथ उनके पहनावे को लेकर भी मतभेद थे। वे अपनी महिलाओं को ढके-छिपे रखना चाहते हैं। इसलिए, वे नहीं चाहते थे कि वह आइटम सॉन्ग करें।

हालांकि, बातचीत में आगे, फिल्म निर्माता ने दावा किया कि यह सब अरोड़ा के आत्मविश्वास पर निर्भर था। कश्यप ने कहा, लेकिन मलाइका एक मज़बूत और स्वतंत्र महिला हैं; वह अपनी पसंद खुद बनाती हैं। जब उन्हें यह ऑफर दिया गया, तो उन्होंने हाँ कर दिया। अरबाज को राजी होने के लिए काफी समझाना पड़ा। उन्होंने उससे कहा कि यह कुछ भी अश्लील नहीं है, बस नाच-गाना है, और गाने में बस इतना ही परिवार है; तुम्हें किस बात का डर है? और बेशक, उस गाने ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए।

इसके अलावा, निर्देशक ने बताया कि मूल रूप से सलमान खान इस गाने में बिल्कुल भी नहीं दिखने वाले थे। बाद में इसे फिर से तैयार किया गया, और सुपरस्टार सोनू सूद और मलाइका अरोड़ा के साथ इसमें नजर आए। मुन्नी बदनाम एक बेहतरीन डांस नंबर बन गया और इसने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए।

श्रीदेवी की फिल्म चालबाज का बन रहा रीमेक, जाह्नवी कपूर को सौंपी गई ये बड़ी जिम्मेदारी

अभिनेत्री जाह्नवी कपूर इन दिनों फिल्म परम सुंदरी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। 29 अगस्त को रिलीज हुई उनकी यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। आने वाले समय में जाह्नवी एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगी और अब उनके खाते एक और बड़ी फिल्म जुड़ गई है। खबर है कि जाह्नवी अपनी दिवंगत मां श्रीदेवी की फिल्म चालबाज (1989) के रीमेक में मुख्य भूमिका निभा सकती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, साल 1989 में आई श्रीदेवी की चालबाज को काफी पसंद किया गया था और अब 36 साल बाद इसका रीमेक बन रहा है। चालबाज के रीमेक में जाह्नवी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। एक सूत्र ने बताया कि एक बड़े फिल्म निर्माता ने जाह्नवी को चालबाज के आधिकारिक रीमेक का प्रस्ताव दिया है और उन्होंने इसके लिए हामी भर दी है। फिलहाल निर्माता और निर्देशक के बारे में जानकारी गुप्त रखी गई है।

जाह्नवी जल्द ही फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में दिखेंगी, जिसमें उनकी जोड़ी वरुण धवन के साथ बनी है। फिल्म 2 अक्टूबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा जाह्नवी के पास फिल्म पेड्डी भी है। इसमें जाह्नवी की जोड़ी राम चरण के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। बुची बाबू सना के निर्देशन में बन रही यह फिल्म 27 मार्च, 2026 को दर्शकों के बीच आएगी।

जिया शंकर ने लाल साड़ी में बिखेरा जादू

बस उसी की बनकर वाले कैप्शन ने खींचा लोगों का ध्यान

टीवी से लेकर वेब सीरीज तक, जिया शंकर उन चेहरों में से एक हैं जिन्होंने कम वक्त में अपनी खास पहचान बनाई है। उनकी मासूम मुस्कान और दमदार अभिनय ने दर्शकों के दिलों में एक अलग ही जगह बनाई है। वह अपने स्टाइल और लुक्स को लेकर भी हमेशा चर्चा में रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी हर तस्वीर को लाखों लोग पसंद करते हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर नया फोटोशूट पोस्ट किया, जिसने फैंस को फिर एक बार उनका दीवाना बना दिया।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई फोटोशूट में जिया शंकर ने रेड कलर की पारंपरिक साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। साड़ी में हल्की चमक है। इस चमक से अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह रेशमी या साटन कपड़े की साड़ी हो सकती है। साड़ी के बॉर्डर पर बारीक कढ़ाई की गई है जो पूरे लुक को शाही बना रही है।

साड़ी से ज्यादा ध्यान उनके ब्लाउज ने खींचा है। ब्लाउज पर सुंदर सी कढ़ाई हुई है और बाजुओं पर सफेद हंस का डिजाइन बना हुआ है। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है और सॉफ्ट वेव्स में स्टाइल किए हुए हैं, जो उनके चेहरे को और भी निखार रहे हैं। इस लुक पर उन्होंने मेकअप भी बहुत हल्का और सॉफ्ट रखा है। गुलाबी लिपस्टिक, हल्का आईशैडो और काजल के साथ उनकी मुस्कान दिल को छू रही है। जूलरी की बात करें तो जिया ने पर्ल वाला चोकर नेकलेस, छोटे झुमके, और गोल्डन कड़े पहने हुए हैं, जो लुक में शालीनता के साथ एक रॉयल टच जोड़ रहे हैं।

इस पोस्ट के कैप्शन में जिया ने लिखा, बस उसी की बनकर उनके कैप्शन ने फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया। इस तस्वीर को देखने के बाद उनके चाहने वालों ने कमेंट्स में सवालों की झड़ी लगा दी है। कोई उनसे पूछ रहा है कि क्या आप किसी खास मौके के लिए तैयार हुई हैं? तो कोई सवाल कर रहा है कि किस खास इंसान के लिए इतना सज-संवर रही हो? अन्य फैंस उनके कमेंट्स सेक्शन में इमोजी भी भेज रहे हैं।

महंगी क्रीम नहीं, बस कैस्टर आयल का इस्तेमाल करें और मुंहासों और दाग-धब्बों से दूर रहें

अरंडी के तेल या कैस्टर आयल को तैलीय माना जाता है। हालांकि, एक समय में, कैस्टर आयल ब्यूटी रूटीन का एक अहम हिस्सा था। एक बार सिर पर कैस्टर आयल लगाने के बाद, यह एक हफ्ते तक ऐसे ही रहता है। लोग इस तैलीयपन से छुटकारा पाने के लिए हल्दी का इस्तेमाल करते थे। हालांकि, समय के साथ, दिन बदले हैं और ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी बदल गए हैं। कैस्टर आयल की जगह दूसरे हल्के तेलों का इस्तेमाल होने लगा है। हालांकि, अब फिर से, ब्यूटीशियन और त्वचा विशेषज्ञों ने अरंडी के तेल के बेहतरीन गुणों के बारे में जागरूकता पैदा की है और इसका इस्तेमाल फिर से शुरू हो गया है।

कुछ लोग ब्यूटी पर बहुत खर्च करते हैं जबकि कुछ लोग कम कीमत में कुछ प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करके अच्छे परिणाम देखना चाहते हैं। ऐसे लोगों के लिए कैस्टर आयल सबसे अच्छा उपाय है। प्रसिद्ध योग गुरु डा। हंसा योगेंद्र के अनुसार, कैस्टर आयल का इस्तेमाल करने से न केवल बालों के लिए बल्कि त्वचा के लिए भी कई फायदे हैं। ऐसा कहा जाता है कि अगर कैस्टर आयल का सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो यह चेहरे पर मुंहासे, काले धब्बे और झुर्रियों को कम करने के लिए बहुत अच्छा है। आइए जानें इसके लिए कैस्टर आयल का इस्तेमाल कैसे करें।

स्किन प्रोब्लेम्स: ड्राई स्किन, मुंहासे, कम उम्र में झुर्रियां और बेजान त्वचा जैसी कई त्वचा संबंधी समस्याएं होती हैं। इन सबकी सही देखभाल के लिए माइस्चराइजर, सनस्क्रीन और फेस वाश पर हजारों रुपये खर्च किए जाते हैं। लेकिन, इसके अलावा, कुछ प्राकृतिक तत्व भी हैं। इनके इस्तेमाल से त्वचा की समस्याओं को भी कम किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले आपको तनाव, प्रदूषण और अनहेल्दी खान-पान जैसी चीजों से बचना चाहिए जो त्वचा की समस्याओं का कारण बनती हैं। अगर आप इनसे बचेंगे, तो ज्यादातर समस्याएं कम होने में मदद मिलेगी। महंगे प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करने की बजाय प्राकृतिक उत्पादों पर ध्यान दें। अरंडी का तेल इन्हीं में से एक है। अरंडी का तेल तैलीय होता है। लेकिन, अगर आप इसका सही तरीके से इस्तेमाल करेंगे, तो त्वचा की ज्यादातर समस्याएं दूर हो जाएंगी।

रूखी त्वचा: अरंडी के तेल में पर्याप्त मात्रा में फैटी एसिड होते हैं। यह त्वचा के रूखेपन को कम करने के लिए सबसे अच्छा है। यह त्वचा को माइस्चराइजर रखता है। इसके अलावा, यह त्वचा को हाइड्रेट और मुलायम बनाता है। अक्सर कुछ लोगों की त्वचा रूखी होती है। अगर ऐसे

लोग अरंडी के तेल का इस्तेमाल करें, तो कोई समस्या नहीं होगी। हालांकि, हम जो अरंडी का तेल इस्तेमाल करते हैं, वह भी प्राकृतिक होना चाहिए।

मुंहासे कम करने के लिए: कुछ शोधों के अनुसार, अरंडी का तेल लगाने से बैक्टीरिया और सूजन जैसी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। इसे सीधे त्वचा पर लगाने से मुंहासे की समस्या कम हो सकती है। हालांकि, इसे लगाने से पहले आपको यह जान लेना चाहिए कि यह तेल आपके लिए फायदेमंद है या नहीं। इसके लिए पैच टेस्ट जरूर करें।

फाइनलाइन्स: अरंडी का तेल एंटीआक्सीडेंट से भरपूर होता है। इसे त्वचा पर लगाने से झुर्रियां कम होती हैं। यह आपकी त्वचा को जवां बनाए रखने में मदद करता है। झुर्रियों का मुख्य कारण रूखी त्वचा है। अरंडी का तेल इस समस्या को नियंत्रित करता है। रूखापन कम होता है। इसलिए झुर्रियां अपने आप नहीं आतीं।

त्वचा का रंग निखारें: अरंडी का तेल लगाने से त्वचा में निखार आता है। यह काले धब्बे और पिगमेंटेशन कम करता है। यह तेल कोलेजन बढ़ाता है। यह त्वचा की लचीलापन भी बढ़ाता है। इसलिए, त्वचा पर अरंडी का तेल लगाना अच्छा होता है। लेकिन इसका इस्तेमाल कैसे करें, यह जान लें।

सीरम की तरह

* 1 चम्मच अरंडी के तेल में 1 चम्मच गुलाब का तेल और 2 बूंदें लैवेंडर तेल मिलाएं।

* इसे एक स्प्रे बोतल में डालें और अच्छी तरह हिलाएं।

* बस, एक अच्छा सीरम तैयार है। इसे रात में अपने चेहरे पर लगाएं अगली सुबह आपका चेहरा चमक उठेगा।

फेस पैक

* 1 चम्मच अरंडी के तेल में 1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी, 1 चम्मच सेब का सिरका और 2 बूंदें टी ट्री आयल मिलाएं।

* इन सबका पेस्ट बना लें।

* इस तरह से तैयार फेस पैक को चेहरे पर लगाकर 15 मिनट तक रखें और फिर साफ कर लें।

* सप्ताह में एक बार ऐसा करने से अच्छे परिणाम मिलेंगे।

एंटी-एजिंग क्रीम

* 1 बड़ा चम्मच अरंडी का तेल, 1 बड़ा चम्मच शिया बटर, 1 बड़ा चम्मच जोजोबा तेल और 3 बूंदें लोबान तेल मिलाएं।

* सोने से पहले इसे अपने चेहरे पर लगाएं। इससे आपकी त्वचा में नमी आएगी। अगर आप इन सुझावों का नियमित रूप से 7 दिनों तक पालन करेंगे, तो आपको जरूर परिणाम दिखाई देंगे। हालांकि, अरंडी के तेल को सीधे त्वचा पर लगाने के बजाय, इसे किसी भी चीज के साथ मिलाकर लगाने से त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसी तरह, इसे लगाने से पहले पैच टेस्ट करना बेहतर होता है।

पीएम सूर्यघर योजना के प्रचार के लिए सूर्य रथ रवाना

जन-जागरूकता और सौर ऊर्जा को अपनाने के लिए विशेष पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर सूरजपुर जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार और हितग्राहियों को योजना से लाभान्वित करने के उद्देश्य से आज सीएसपीडीसीएल सूरजपुर संभाग में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सूर्य रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणी पैकरा एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष स्वाति सिंह ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रथ को रवाना किया। यह रथ आगामी एक सप्ताह तक जिले के विभिन्न ब्लॉक मुख्यालयों और ग्रामीण इलाकों में पहुंचकर योजना से संबंधित जानकारी का प्रसार करेगा। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ना और उन्हें सौर ऊर्जा आधारित आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का शुभारंभ 15 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। इस योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को छतों पर सौर पैनल लगाने के लिए 55 से 60 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जा रही है। यह योजना न केवल उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत प्रदान करेगी, बल्कि नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक सिद्ध होगी।

इस योजना के तहत एक किलोवाट सोलर प्लांट लगाने पर अनुमानित लागत 70,000 रूपए आती है, जबकि लाभान्वित हितग्राही को केन्द्र सरकार और राजय सरकार द्वारा संयुक्त रूप से 45 हजार रूपए अनुदान दिया जाता है। इसी तरह 2 किलोवाट की अनुमानित लागत एक लाख 40 हजार रूपए आती है और 90 हजार रूपए अनुदान के रूप में दिए जाते हैं। 3 किलोवाट सोलर प्लांट की लागत 2 लाख रूपए अनुमानित है, जिसका केन्द्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा कुल एक लाख 8 हजार रूपए अनुदान के रूप में दिए जाते हैं। छत्तीसगढ़ शासन की हाफ बिजली बिल योजना में किए गए संशोधन के तहत 100 यूनिट तक की मासिक खपत पर 50 प्रतिशत रियायत दी जा रही है, जिससे राज्य के लाखों घरेलू उपभोक्ताओं को लाभ हो रहा है। वहीं, 100 यूनिट से अधिक खपत वाले उपभोक्ताओं के लिए प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना अत्यंत लाभकारी साबित हो रही है, जिसके माध्यम से वे न केवल अपनी आवश्यकता की बिजली उत्पादित कर रहे हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली बेचकर आमदनी भी अर्जित कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कहना है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। छत्तीसगढ़ में सूर्य रथ का संचालन इसी उद्देश्य से किया जा रहा है कि अधिक से अधिक लोग इस योजना से जुड़ें और स्वच्छ ऊर्जा अपनाकर न केवल अपने घरों को रोशन करें, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दें। सभी नागरिकों से अपील है कि इस योजना का लाभ उठाकर सौर ऊर्जा आधारित आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहभागी बनें। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना प्रदेशवासियों के लिए सस्ती, स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा उपलब्ध कराते हुए बिजली आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सशक्त पहल बन चुकी है।

अलसी परियोजना को मिला सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी), रायपुर में संचालित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) अलसी को अलसी अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ एआईसीआरपी केंद्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद सीएआर द्वारा आयोजित अलसी एवं कुसुम की वार्षिक कार्यशाला, जो रांची में 9-10 सितंबर, 2025 आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान यह अवॉर्ड प्रदान किया गया। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उन्होंने कहा कि यह सम्मान अलसी अनुसंधान को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने, नवाचार को बढ़ावा देने, एवं देश की कृषि उत्पादकता में वृद्धि हेतु एआईसीआरपी अलसी टीम की सतत प्रतिबद्धता और उत्कृष्ट कार्यशैली को दर्शाता है। सम्मान समारोह में देश के प्रमुख आईसीएआर ऑथोरिटी एवं विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें डॉ. डी.के. यादव, उप महानिदेशक (फ्सल विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली; डॉ. संजीव गुप्ता, सहायक महानिदेशक , भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली डॉ. आर.के. माथुर, निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद तथा डॉ. एस.सी. दुबे, कुलपति, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची शामिल थे।

जिला अस्पताल बलौदाबाजार के इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब की स्टैंडर्ड परखने आएगी एनक्यूएएस की टीम

मानकों पर खरा उतरा तो एनक्यूएएस सर्टिफिकेट प्राप्त करने वाला देश का पहला सरकारी लैब होगा जिला अस्पताल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला अस्पताल बलौदाबाजार में संचालित इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब (आईपीएचएल) के स्टैंडर्ड का आकलन एवं परीक्षण करने 11 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन स्टैंडर्ड की विशेषज्ञ टीम आएगी। टीम के आकलन एवं परीक्षण में तय मानकों पर खरा उतरने पर एनक्यूएएस सर्टिफिकेट प्राप्त होगा जो जिला व राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। सर्टिफिकेट प्राप्त होने पर जिला अस्पताल में संचालित आईपीएचएल देश का पहला एनक्यूएएस सर्टिफाइड सरकारी लैब होगा। कलेक्टर दीपक सोनी ने जिला अस्पताल पहुंचकर आईपीएचएल का निरीक्षण एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पब्लिक सुविधाओं के साथ ही हाइजिन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

बताया गया कि जिला अस्पताल में संचालित इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब का एनक्यूएएस सर्टिफिकेशन के लिए पहली बार आवेदन किया है। अस्पताल प्रबंधन द्वारा मानक पर खरा उतरने सभी सुविधाएं व व्यवस्थाएं दुरुस्त करने का प्रयास किया जा रहा है। वर्तमान में इस लैब में लगभग 103 प्रकार की जांच सुविधा उपलब्ध है। इसमें हिमेटोलॉजी अंतर्गत 16 टेस्ट, क्लिनिकल पैथोलॉजी अंतर्गत 14 टेस्ट, क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री अंतर्गत 30 टेस्ट,सिरोलॉजी अंतर्गत 8 टेस्ट,इम्युनोलॉजी अंतर्गत 28 टेस्ट एवं माइक्रोबायोलॉजी अंतर्गत 7 टेस्ट शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक, भारत सरकार स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा स्थापित एक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को बढ़ाना और सुनिश्चित करना है। ये मानक विशिष्ट आवश्यकताओं और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं पर आधारित हैं।प्रमाण-पत्र प्रदान करने के पूर्व विशेषज्ञों की टीम द्वारा अस्पताल की सेवाओं और संतुष्टि स्तर का कई मानकों पर परीक्षण किया जाता है। इन कड़े मानकों पर खरा उतरने वाले अस्पतालों को ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुणवत्ता प्रमाण-पत्र जारी किये जाते हैं।

सरगुजा संभाग के सभी जिलों में राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए चलेगा अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरगुजा संभाग के सभी जिलों में राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए अभियान चलेगा। कमिश्नर सरगुजा नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों की बैठक लेकर राजस्व विभाग के लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजस्व से जुड़े प्रत्येक प्रकरण का त्वरित और समयबद्ध निराकरण किया जाना चाहिए ताकि आमजन को शीघ्र न्याय मिल सके।

बैठक के दौरान कमिश्नर दुग्गा ने कहा कि अविवादित एवं विवादित नामांतरण प्रकरणों, खाता विभाजन, नक्शा बटांकन और सीमांकन जैसे मामलों का अभियान चलाकर शीघ्र निपटारा किया जाए। उन्होंने कहा कि पारिवारिक विवादों को सुलझाने के लिए नक्शा बटांकन प्रकरणों पर विशेष ध्यान दिया जाए। श्री दुग्गा ने लंबित 170(ख) प्रकरणों, वृक्ष कटाई के मामलों तथा भू-अर्जन से संबंधित अवार्ड पारित करने हेतु लंबित फाइलों की समीक्षा की और सख्त निर्देश दिए कि इन प्रकरणों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कमिश्नर ने तहसील कार्यालयों की व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तहसील कार्यालयों में रिकॉर्ड रूम को व्यवस्थित किया जाए, स्वच्छता पर ध्यान दिया जाए और आम नागरिकों के लिए शौचालय, पेयजल एवं बैठक व्यवस्था अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। राजस्व अधिकारी लंबित प्रकरणों के निराकरण की नियमित मॉनिटरिंग करें। जनता से जुड़े मामलों को गंभीरता से लें और पारदर्शिता के साथ शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करें।

युक्तियुक्तकरण से ग्रामीण शिक्षा में आ रहा निखार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन द्वारा शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के अंतर्गत की जा रही पदस्थापना प्रक्रिया का लाभ अब ग्रामीण अंचलों में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। इस पहल से ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार हो रहा है तथा विद्यार्थियों को नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो रही है।

युक्तियुक्तकरण की पहल के चलते सक्ती जिले की शासकीय प्राथमिक शाला तोहिलाडीह में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिला है। यह विद्यालय लंबे समय से एकल शिक्षकीय था। केवल एक शिक्षक के सहारे सभी विषयों की पढ़ाई कराना संभव नहीं हो पा रहा था, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही थी। साथ ही विद्यालय के प्रधानपाठक के सेवानिवृत्त हो जाने से भी शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रतिकूल असर पड़ा था।

राज्य शासन की युक्तियुक्तकरण नीति के अंतर्गत शिक्षिका श्रीमती सीता श्रोते की पदस्थापना तथा प्रधानपाठक मनोज कुमार जायसवाल की नियुक्ति से विद्यालय में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है। वर्तमान में यहाँ 30 छात्र-छात्राएँ अध्ययनरत हैं, जिन्हें अब नियमित रूप से सभी विषयों की पढ़ाई कराई जा रही है। इससे बच्चों को बेहतर मार्गदर्शन, अनुशासन और पढ़ाई के प्रति नया जोश देखने को मिल रहा है। विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती सीता श्रोते ने बताया कि शासन की यह पहल ग्रामीण और पिछड़े अंचलों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस पहल से विद्यार्थियों की उपस्थिति में निरंतर वृद्धि हो रही है और बच्चे पढ़ाई में अधिक सक्रियता से भाग लेने लगे हैं।

कारखाना भी चलने लगे अब सूर्यघर योजना की बिजली से

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम जनता के बीच निरंतर लोकप्रिय हो रही है। इस योजना ने न केवल घरेलू उपभोक्ताओं को महंगे बिजली बिल से राहत दी है, बल्कि अब व्यावसायिक उपयोग के लिए भी लोग इसका लाभ उठाने लगे हैं। इससे उपभोक्ताओं को आत्मनिर्भरता के साथ-साथ दीर्घकालिक बचत भी सुनिश्चित हो रही है।

बिलासपुर स्थित कोनी निवासी ओम अग्रवाल ने योजना के तहत अपने दोनों घरों की छत पर सोलर पैनल स्थापित किए हैं। पहले उन्होंने छह किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल घरेलू उपयोग के लिए लगवाया, जिसके लाभ को देखते हुए व्यावसायिक उपयोग हेतु अपने पुत्र मुरली अग्रवाल के नाम पर 10 किलोवाट का अतिरिक्त पैनल भी लगवाया। सौर ऊर्जा से अब उनके घर और व्यवसाय दोनों का बिजली बिल न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। श्री अग्रवाल ने बताया कि पूर्व में व्यवसाय में बिजली की अधिक खपत के कारण बिल काफी अधिक आता था, परंतु अब सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन होने पर यह समस्या समाप्त हो गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना दीर्घकालिक दृष्टि से अत्यंत किफायती एवं उपयोगी है। उनके पौत्र संस्कार अग्रवाल ने जानकारी दी कि दोनों सोलर पैनल स्थापित करने में लगभग नौ लाख रुपये की लागत आई, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार की ओर से 2 लाख 16 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। वर्तमान में दोनों घरों की छतों पर कुल 16 किलोवाट का सोलर पैनल संचालित हो रहा है, जिससे प्रतिमाह बिजली बिल में भारी कमी आई है।

परिवार का कहना है कि इस योजना में एक बार का निवेश कर 25 वर्षों तक निरंतर बिजली आपूर्ति प्राप्त की जा सकती है। साथ ही कंपनी द्वारा नियमित मेंटेनेंस की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ उठाकर बिजली के लिए आत्मनिर्भर बनें तथा पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत शहरी एवं ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं को छतों पर रूफ टॉप सोलर प्लांट लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्थापित प्लांट नेट मीटरिंग प्रणाली से ग्रिड से जुड़ता है, जिससे उपभोक्ता द्वारा खपत से अधिक उत्पादित बिजली ग्रिड में सप्लाई होकर न केवल बिजली बिल शून्य कर देती है, बल्कि अतिरिक्त आमदनी भी उपलब्ध कराती है।

केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा सौर ऊर्जा प्लांट लगाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। एक किलोवॉट क्षमता का प्लांट औसतन 120 यूनिट प्रतिमाह उत्पादन होता है। केन्द्र सरकार द्वारा इसके लिए 30 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 15 हजार रूपए इस प्रकार कुल 45 हजार रूपए की सब्सिडी दी जाती है। दो किलोवॉट क्षमता का प्लांट लगाने पर औसतन 240 यूनिट प्रतिमाह विद्युत उत्पादन होता है। इस पर कुल 90 हजार रूपए की सब्सिडी में केंद्र द्वारा 60 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रूपए शामिल है। इसी तरह 3 किलोवॉट क्षमता का सौर ऊर्जा प्लांट लगाने से औसतन 360 यूनिट प्रतिमाह विद्युत उत्पादन होता है। इस प्लांट के लगाने वाले हितग्राही को कुल एक लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी मिलती है, जिसमें केन्द्र सरकार द्वारा 78 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रूपए दिए जाते हैं। हितग्राही को सौर प्लांट स्थापना के लिए ऋण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है, जिससे वे आसानी से सौर प्लांट स्थापित कर सकें। इस योजना से न केवल कम बिजली बिल और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित हो रही है, बल्कि नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा और नए रोजगार अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

ग्रीन एनर्जी से आत्मनिर्भर बने सरगांव के बिसाहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर योजना अब आम लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव ला रही है। यह योजना न केवल बिजली बिल कम कर रही है, बल्कि लोगों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बना रही है। मुंगेली जिले के सरगांव (वार्ड क्रमांक 10) निवासी श्री बिसाहू राम साहू इसकी एक मिसाल बने हैं। करीब दो माह पहले उनके घर की छत पर 3 किलोवॉट का सोलर पैनल लगाया गया। पहले हर महीने उन्हें 100 से 150 यूनिट बिजली खपत पर 400 से 500 रुपये तक का बिल चुकाना पड़ता था। लेकिन अब सोलर प्लांट से उन्हें हर माह 400 यूनिट का क्रेडिट मिल रहा है।

इसका नतीजा यह हुआ कि उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया और वे प्रतिमाह 500 रुपये से अधिक की बचत कर पा रहे हैं। श्री साहू ने खुशी जताते हुए कहा कि पहले हर महीने बिजली बिल की चिंता रहती थी, लेकिन अब सोलर ऊर्जा से उन्हें आत्मनिर्भरता का अहसास हो रहा है।

उनके मुताबिक, यह योजना आमजन के जीवन में उजाला भरने के साथ-साथ पर्यावरण को भी सुरक्षित रख रही है। बचत का साधन बनने के साथ-साथ ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है।

खास खबर

खुदाई करते मिली 4 लाशें, चार हत्याओं का खुलासा

रायगढ़। राजीव नगर टुसेकेला इलाके के एक घर से खुदाई के बाद चार शव बरामद किये गए है। वही अभी भी दो लोग लापता बताये जा रहे है। जिन चार लोगों का शव बरामद किया गया है उनमें पति पत्नी, दो बच्चों की लाशे है। इस बात की पूरी आशंका है कि सभी की हत्या के बाद लाशों को दफ्नाया गया है। सभी का शव गोबर के ढेर से बरामद हुआ है। पुलिस ने मौके पर फोरेंसिक जांच शुरू कर दी है। ग्राम ठुसेकेला के राजीव नगर मोहल्ले में बुधराम उरांव का घर पिछले 2-3 दिनों से बंद पड़ा था।

अंदर से तेज बदबू आने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंची। फोरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग-स्क्वॉड की टीम को भी बुलाया गया। घर के कमरे को खोलने पर अंदर जगह-जगह खून के छींटे दिखाई दिए। जमीन में दफ्नाने जैसे निशान भी पाए गए। कब्र खोदने पर अंदर से पति-पत्नी और 2 बच्चों के शव बरामद हुए। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षा घेरे में ले लिया है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

टांगी से पत्नी को काटने वाले पति को मिली सजा

रायगढ़। जिले में पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद पति ने पत्नी पर टांगी से वार कर दिया। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। मामले में अपर सत्र न्यायाधीश घरघोड़ा ने आरोपी को आजीवन कारावास और अर्थदंड से दंडित किया है। इस मामले में अभियोजन पक्ष के अनुसार, मृतका शांति धनवार के पिता पुसउ धनवार ने 15 अक्टूबर 2019 को तमनार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि वे छट्ठी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 15 दिन पहले बेटी के घर लालडीपा आमाघाट आए थे।

14 सितंबर की रात लगभग 9 बजे दामाद अनिरूद्ध धनवार घर पर खाना खा रहा था। इसी दौरान पुसउ धनवार अपने समधी भगतराम के साथ खेत देखने चले गए। रात करीब 10 बजे घर लौटने पर उन्हें अनिरूद्ध की बहन रुकमणी ने बताया कि पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ और गुस्से में आकर अनिरूद्ध ने टांगी से शांति के गले के पीछे वार कर दिया। वार से शांति खून से लथपथ होकर घर में बेहोश पड़ी थी। परिजनों ने तुरंत उसे तमनार अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे रायगढ़ जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान 25 अक्टूबर 2019 को शांति की मौत हो गई। घटना की जानकारी के बाद तमनार पुलिस ने आरोपी अनिरूद्ध धनवार के खिलाफ धारा 307 और 302 के तहत अपराध दर्ज कर गिरफ्तार किया। मामले की सुनवाई के दौरान अपर सत्र न्यायाधीश अभिषेक शर्मा ने आरोपी को हत्या का दोषी पाया। न्यायालय ने अनिरूद्ध धनवार को आजीवन कारावास और 1 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड नहीं भरने की स्थिति में उसे एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। इस मामले में अपर लोक अभियोजक राजेश सिंह ठाकुर ने पैरवी की।

प्रेमी युगल ने किया आत्महत्या

कोंडागांव। जिले के उरंदाबेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम आलमेर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक प्रेमी युगल ने एक ही पेड़ पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। इस घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मृतक युवक का नाम संतलाल और युवती का नाम कांति बताया जा रहा है।

हेलमेट को लेकर सेंट्रल एवेन्यू पर सख्ती, जागरुकता के बाद कार्रवाई तेज, पुलिस ने की विशेष टीम का गठन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नो हेलमेट नो पेट्रोल अभियान दुर्ग भिलाई में जारी है। दुर्ग कलेक्टर ने सभी पंप संचालकों को बिना हेलमेट के पेट्रोल न देने का फ्रमान जारी किया है। इसके कारण लोग केवल पेट्रोल भरवाने के लिए ही हेलमेट का उपयोग करते दिख रहे हैं। सड़कों पर चलने वाले दो पहिया वाहन चालकों के सिर की बजाय बाइक पर हेलमेट लटक रहा है। अब यातायात विभाग ने इस पर सख्ती करना शुरू कर दिया है। खासकर सेंट्रल एवेन्यू पर दो पहिया चलाने वालों को अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनना होगा। यही नही बिना हेलमेट पेट्रोल देने पर पंप संचालकों पर भी कार्रवाई होगी।

बता दें कि भिलाई सेंट्रल एवेन्यू रोड सेक्टर-1 मुर्गा चौक से सेक्टर 9 चौक तक

यात्रा के दौरान हेलमेट पहनना सभी दोपहिया वाहन चालकों एवं सवारियों के लिए अनिवार्य किया गया है। यह सम्पूर्ण मार्ग ग्रे स्पॉट क्षेत्र में चिन्हित है, जहां लगातार सड़क दुर्घटनाएं, रैश ड्राइविंग, मॉडिफाइड साइलेंसर से ध्वनि प्रदूषण, प्रेशर हॉर्न का दुरुपयोग एवं तीन सवारी के मामले सामने आ रहे थे। इसे देखते हुए अब प्वाइंट बनाकर जांच की जा रही है और कार्रवाई भी हो रही है। एएसपी ऋचा मिश्रा ने बताया कि सेंट्रल एवेन्यूज पर यातायात पुलिस द्वारा विशेष टीमों का गठन किया गया है। रेल चौक सेक्टर-6, मुरगा चौक सेक्टर-1, डीपीएस चौक एवं सेक्टर-8 चौक पर विशेष हेलमेट चेकिंग अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान के दौरान हेलमेट नहीं पहनने वाले चालकों पर सख्त कार्यवाही करते हुए चालानी कार्रवाई की जा रही है। यह अभियान सतत् रूप से जारी रहेगा तथा आगामी दिनों में इसे और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

बिना हेलमेट पेट्रोल देने वालों पर होगी सख्ती

एएसपी ऋचा मिश्रा ने बताया कि दुर्ग जिले में कलेक्टर दुर्ग के आदेशानुसार नो हेलमेट ङ्क नो पेट्रोल नीति लागू की गई है, जिससे हेलमेट उपयोगिता को बढ़ावा मिले एवं दुर्घटनाओं पर नियंत्रण किया जा सके। इस क्षेत्र में वाहनों की संख्या प्रतिदिन तेजी से बढ़ रही है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना और अधिक बढ़ गई है। हेलमेट जागरुकता लाना पंप संचालकों की भी जिम्मेदारी है। एएसपी मिश्रा ने कहा है कि जिस पंप में भी बिना हेलमेट के पेट्रोल दिया जाएगा उनके खिलाफभी सख्ती की जाएगी। कलेक्टर को मेमो दिया जाएगा और पंप को सील करने की कार्रवाई भी होगी। यातायात पुलिस ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि दोपहिया वाहन चलाते समय सदैव हेलमेट का उपयोग करें। मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न एवं तीन सवारी से परहेज़ करें। यातायात नियमों का पालन कर स्वयं एवं दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

चांदी की तस्करी, ढाई क्विंटल चांदी सहित आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। जिले के लोहारा थाना पुलिस ने चांदी की बड़ी तस्करी का खुलासा करते हुए ढाई क्विंटल चांदी जब्त की है। पुलिस को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर बीती रात कार्रवाई की गई, जिसमें एक कार को रोका गया और उसमें रखे दर्जनभर से अधिक बैगों से भारी मात्रा में चांदी बरामद हुई। पुलिस के अनुसार, जब्त चांदी की बाजार कीमत करीब 2.5 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें मुख्य आरोपी चंदन जैन और कार चालक, जो दुर्ग निवासी बताया जा रहा है, शामिल हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए।

पुलिस का मानना है कि दोनों अवैध तरीके से चांदी की खेप लेकर कवर्धा आ रहे थे और इसे स्थानीय स्तर पर बेचने की योजना बना रहे थे। लोहारा थाना प्रभारी ने बताया कि यह कार्रवाई खुफिया जानकारी के आधार पर की गई। पुलिस ने कार को रोककर उसकी तलाशी ली तो दर्जनों बैगों में चांदी भरी हुई मिली। आरोपी दस्तावेज न दिखा सके, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि चांदी अवैध रूप से परिवहन की जा रही थी। पुलिस ने गाड़ी और चांदी दोनों को जब्त कर लिया है। फिलहाल दोनों आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि यह चांदी किस स्रोत से लाई गई और इसे किन लोगों तक पहुँचाया जाना था।

मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि इतनी बड़ी मात्रा में चांदी का अवैध कारोबार कैसे चल रहा था और इसमें कितने लोग शामिल हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में तस्करी के नेटवर्क का बड़ा होना सामने आ रहा है। यह भी संभावना जताई जा रही है कि चांदी अन्य राज्यों से लाई जा रही थी और यहाँ बेची जाती। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान डिजिटल रिकॉर्ड, मोबाइल कॉल डिटेल्स, और अन्य सुरागों की मदद से पूरे गिरोह तक पहुँचने की कोशिश की जा रही है। साथ ही, यह भी देखा जा रहा है कि कहीं इसमें कोई बड़े व्यापारी, स्थानीय दलाल या अन्य आपराधिक नेटवर्क तो शामिल नहीं हैं। इस घटना ने अवैध व्यापार और तस्करी के खिलाफ प्रशासन की सख्ती को दिखाया है।

सागौन के अवैध परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 2 लाख रूपए का अवैध सागौन जब्त, प्रकरण दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार वन संपदा की सुरक्षा और अवैध कटाई पर रोक लगाने हेतु सुकमा वन परिक्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई। डीएफओ अक्षय भोंसले के नेतृत्व में 09 एवं 10 सितम्बर 2025 को उप वनमंडलाधिकारी सुमेध सुरवाडे के निर्देशन तथा वन परिक्षेत्राधिकारी गुरुवचन सिंह के मार्गदर्शन में सघन छापामार कार्रवाई कर अवैध सागौन परिवहन एवं हाथ चिरान लकड़ी जब्त किया गया।

इस कार्रवाई के दौरान 10 नग सागौन हाथ चिरान (0.162 घन मीटर) से भरा एक ऑटो जब्त किया गया। साथ ही सुकमा नगर स्थित रवि फर्नीचर मार्ट, गोल्डन फर्नीचर मार्ट और नंदिनी फर्नीचर मार्ट में छापे मारकर 61 नग अवैध हाथ चिरान (लगभग 1.138 घन मीटर), अवैध मशीनें और औजार बरामद किए गए। इस पूरे अभियान में कुल 71 नग अवैध सागौन हाथ चिरान (लगभग 1.3 घन मीटर) जप्त कर नियमानुसार प्रकरण (पीओआर) दर्ज किया गया। जब्त सागौन की अनुमानित कीमत लगभग 2 लाख रुपए आँकी गई है। इस कार्रवाई में वन विभाग के कमलोचन कश्यप, विमल कालोनी, रामप्रसाद टेकाम, राजू सोड़ी, ईश्वर मौर्य, केवल प्रसाद नेगी, हरीश पदामी, इरामती मण्डावी सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

मॉर्निंग वॉक पर निकले दो लोगों पर चाकू से हमला बाइक सवार बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी टाउनशिप के सेंट्रल एवेन्यू में बुधवार तड़के मॉर्निंग वॉक पर निकले दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया। लूट के इरादे से बाइक सवार तीन बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है। बाइक सवार बदमाशों ने सेंट्रल एवेन्यू पर सेक्टर-2 गणेश पंडाल के सामने एक शख्स को और सेक्टर 5 व 6 के बीच एक शख्स को चाकू मारा। इस दौरान एक शख्स का मोबाइल भी लूट कर ले गए। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार उक्त

दोनों ही घटनाओं का पैटर्न एक जैसा है। पहली घटना सेक्टर -2 गणेश पंडाल के सामने सेंट्रल एवेंन्यू के पास की है। यहां सुबह लगभग 5 बजे सेक्टर 5 सड़क 15 निवासी 50 वर्षीय प्रवेश वैद्य को पीछे से तीन बाइक सवार युवकों ने धारदार वस्तु से मारा। इससे लूट का प्रयास किया गया लेकिन उस समय इनके पास कुछ भी नहीं था। इसके कुछ देर बाद सेक्टर 06 में सेंट्रल एवेन्यू पर मॉर्निंग वॉक पर निकले सेक्टर 5 सड़क 2 के व्यक्ति को मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों ने चाकू मार दिया। इसके बाद उनका मोबाइल छीनकर भाग खड़े हुए। व्यक्ति का नाम राजा बाबू बताया जा रहा है। राजाबाबू को गंभीर चोट आई है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं प्रवेश वैद्य को तीन टाके लगे हैं। भिलाई नगर पुलिस ने बदमाशों की धरपकड़ के लिए सीसी टीवी खंगालना शुरू कर दिया है। मॉर्निंग वॉक के दौरान चंद मिनटों में हुई दो चाकू मारी की घटनाओं ने लोगों को दहशत में ला दिया है। अब सुबह की सैर करना भी लोगों के लिए आफ्त बनती जा रही है।

चार युवकों ने किया किशोरी के साथ गैंगरेप

जांजगीर-चांपा। जिले के शिवरीनारायण थाना क्षेत्र से मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। एक 16-17 वर्षीय नाबालिग किशोरी के साथ चार युवकों ने मिलकर गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया।पुलिस ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जबकि एक आरोपी अभी भी फरार है। उसकी तलाश में पुलिस द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार किशोरी अपने परिचित दो युवकों के साथ शिवरीनारायण घूमने जा रही थी। रास्ते में राहौद क्षेत्र के पास चार युवकों ने उन्हें रोका और रुपयों की मांग की। जब किशोरी और उसके साथ मौजूद युवकों ने रुपये देने से इनकार किया तो आरोपियों की नीयत खराब हो गई। इसके बाद चारों ने किशोरी को जबरन अपने कब्जे में लेकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता किसी तरह अपने घर पहुंची और परिजनों को आपबीती सुनाई। परिजनों ने तत्काल शिवरीनारायण थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मामला दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में एक बिलारी गांव का निवासी है जबकि दो आरोपी राहौद क्षेत्र के रहने वाले हैं।

बच्ची को एक साथ लगाया 4 टीका, मौत के बाद परिजनों का आरोप

बिलासपुर। मंगला धूरीपारा आंगनबाड़ी केंद्र में टीकाकरण के बाद ढाई महीने की बच्ची की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि आंगनबाड़ी केंद्र में एक साथ 4 टीके लगाने से बच्ची की तबीयत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगला धूरीपारा का है। बताया जा रहा है कि दो माह की स्वर्णिका मरावी को परिजन टीका लगवाने के लिए मंगला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र लेकर गए थे। आरोप है कि यहां बच्ची को एक साथ 4 टीका लगा दिया गया। टीका लगने के बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी और मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि वे बच्ची को जन्म के बाद का टीका लगवाने के लिए लेकर गए थे, लेकिन एक साथ 4 टीका लगाने से बच्ची की मौत हो गई। परिजनों ने मामले में टीका लगाने में लापरवाही का आरोप लगाया है।

समक्ष श्रीमान् पब्लिक नोटरी महोदय दुर्ग छग

// शपथ पत्र //

मैं शपथकर्ता SHASHIKANT SAHU S/O CHUNNU RAM SAHU (शशिकांत साहू पिता श्री चुन्नू राम साहू) निवासी-833/5, ओम नगर उरला, वार्ड नं. 58 नजदीक पूर्वा किराना स्टोर्स दुर्ग यह व जिला दुर्ग छ.ग. का निवासी हूँ, जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक प्रस्तुत कर रहा हूँ :-

यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है। 2. यह कि मेरे नाम से जारी आधार कार्ड क्रमांक 4318 0575 6645 में मेरा नांम SHASHIKANT SAHU S/O CHUNNU RAM SAH (शशिकांत साहू पिता श्री चुन्नू राम साहू) दर्ज हैं सही एवं सत्य है। 03 यह कि मेरे 10वीं की अंकसूची मे मेरा नाम SHASHIKANT S/O CHUNNU RAM SAHU (शशिकांत पिता श्री चुन्नू राम साहू) दर्ज हैं। 04. यह कि उक्त दोनों नाम SHASHIKANT SAHU S/O CHUNNU RAM SAHU (शशिकांत साहू पिता श्री चुन्नू राम साहू) एवं SHASHIKANT S/O CHUNNU RAM SAHU (शशिकांत पिता श्री चुन्नू राम साहू) ये दोनों ही नाम अलग अलग है किन्तु ये दोनों ही नाम एक ही व्यक्ति अर्थात् मेरे स्वयं का ही नाम है जो कि सही सत्य है। 05. यह कि भविष्य में भी जो भी मेरे नाम से शासकीय, अशासकीय, अर्द्धशासकीय एवं अन्य दस्तावेज बनाये जायेंगे मेरा नाम अंग्रेजी में SHASHIKANT SAHU S/O CHUNNU RAM SAHU (शशिकांत साहू पिता श्री चुन्नू राम साहू) ही होगा। 06.यह कि यह शपथ कोनिकल एवं श्रीकंचनपथ पत्रिका के सक्षम प्राधिकारी के समक्ष मेरे दस्तावेजों में मेरे स्वयं का नाम SHASHIKANT SAHU S/O CHUNNU RAM SAHU (शशिकांत साहू पिता श्री चुन्नू राम साहू) दर्ज किये जाने के संबंध में प्रस्तुत कर रहा हूं।

स्थान :- दुर्ग
दिनांक:-

शपथकर्ता

ऑनलाइन मंगवाए गए 300 चाकू बरामद, युवाओं द्वारा सोशल मीडिया पर पुलिस ने लगाया हथियार के प्रदर्शन पर प्रतिबंध

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। गरियाबंद पुलिस ने जिले में चाकूबाजी की घटनाओं पर रोक लगाने और सोशल मीडिया पर धारदार हथियारों के साथ फोटो व वीडियो साझा करने वाले युवाओं पर नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाया है। इस अभियान में साइबर सेल गरियाबंद की मदद से थानावार अभियान चलाकर ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स से मंगवाए गए कुल 300 चाकू बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि ये चाकू विभिन्न डिज़ाइनों में उपलब्ध थे और युवाओं के बीच लोकप्रियता हासिल कर रहे थे।

बरामद किए गए चाकुओं में पेन चाकू, बटन चाकू, पॉकेट चाकू और अन्य धारदार हथियार शामिल हैं। जांच में यह सामने आया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आकर्षक डिजाइन वाले ये चाकू कम

कीमत में आसानी से मिल रहे थे। युवा वर्ग इन्हें शौकिया उपयोग, दिखावे या फैशन के तौर पर खरीद रहा था, लेकिन कई मामलों में इनका अपराध में उपयोग भी पाया गया है। पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम पर कई युवक चाकू और धारदार हथियारों के साथ फोटो व वीडियो पोस्ट कर रहे थे। इन वीडियो और पोस्ट के माध्यम से न केवल हथियारों का प्रदर्शन हो रहा था, बल्कि कई बार यह दूसरों को डराने-धमकाने के लिए भी इस्तेमाल किया गया। कुछ मामलों में चाकू का उपयोग मारपीट, झगड़े और अन्य अपराधों में भी देखा गया है।

गरियाबंद पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस अभियान का उद्देश्य हथियारों की बिक्री और प्रदर्शन पर अंकुश लगाना है ताकि युवाओं को अपराध की राह पर जाने से रोका जा सके। पुलिस ने उन युवाओं के खिलाफ कार्रवाई भी शुरू की है जो पहले से आपराधिक घटनाओं में शामिल पाए गए हैं। उन्हें चिन्हित कर उनके विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जा रही है। साइबर सेल ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स से जुड़े आपूर्तिकर्ताओं और ग्राहकों का रिकॉर्ड खंगालना शुरू कर दिया है। साथ ही, पुलिस ने युवाओं को जागरूक करने के लिए भी अभियान चलाया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह कदम समाज में बढ़ते अपराधों को रोकने और युवाओं को सकारात्मक दिशा में प्रेरित करने के लिए आवश्यक है।

गरियाबंद पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति के पास ऐसे चाकू या अन्य धारदार हथियार हैं और वह उनका दुरुपयोग कर रहा हो या लोगों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहा हो, तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। जानकारी देने के लिए हेल्पलाइन नंबर 94792-25884 उपलब्ध है। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। इस अभियान से क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल मजबूत होगा और युवाओं में जागरूकता बढ़ेगी। पुलिस का कहना है कि हथियारों का प्रदर्शन और अवैध उपयोग रोकने के लिए समाज की भागीदारी भी आवश्यक है। साथ ही, यह अभियान अपराध नियंत्रण और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बेटियों की शिक्षा से पीढ़ियाँ होती हैं शिक्षितः मुख्यमंत्री

- शासकीय विद्यालयों से 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण करने वाली बालिकाओं को मिलेगी वित्तीय सहायता
- मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश में अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप योजना का किया शुभारंभ
- देश के किसी भी संस्थान में पढ़ाई के लिए बालिकाओं को मिलेंगे वार्षिक 30 हजार रुपए
- बेटियों की उच्च शिक्षा को मिलेगी नई उड़ान, आर्थिक दिक्कतें नहीं बनेंगी बाधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बेटियों को शिक्षा मिलने से हमारी पीढ़ियाँ शिक्षित होती हैं। प्रदेश सरकार बेटियों की उच्च शिक्षा के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप योजना के शुभारंभ अवसर पर यह बात कही। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अजीम प्रेमजी फाउंडेशन को बधाई देते हुए कहा कि इस छात्रवृत्ति योजना से हजारों बेटियों को अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ का चहुंमुखी विकास हुआ है और इसमें बेटियों ने भी अपनी भूमिका निभाकर प्रदेश का मान बढ़ाया है। बेटियाँ आर्थिक दिक्कतों के कारण अपनी पढ़ाई अधूरी न छोड़ें—इसी उद्देश्य से यह पहल की गई है। यह योजना प्रदेश में बालिकाओं की उच्च शिक्षा में नामांकन दर को और अधिक बढ़ाने में सहायक होगी।

श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ संकल्प को यह स्कॉलरशिप आगे बढ़ाएगी। इसके माध्यम से शासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाली निम्न आय वर्ग की छात्राओं को विशेष रूप से मदद मिलेगी और वे अपनी उच्च शिक्षा जारी रख पाएँगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब बेटियाँ पढ़ती हैं तो वे केवल दो परिवारों को ही नहीं बल्कि पूरी पीढ़ियों को शिक्षित करती हैं। उन्होंने सभी महाविद्यालयों में इस योजना की जानकारी व्यापक रूप से पहुँचाने के निर्देश दिए। उल्लेखीय है कि इस योजना के तहत प्रदेश के शासकीय विद्यालयों से 10वीं एवं 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाली नियमित छात्राएँ पात्र होंगी। जो छात्राएँ शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्नातक के प्रथम वर्ष अथवा डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में देश के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में प्रवेश लेंगी, उन्हें छात्रवृत्ति का लाभ मिलेगा।योजना का लाभ पाने के लिए वेबसाइट https//azimpremjifoundation.org/what-we-do/education/azim-premji-scholarship पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके लिए कोई शुल्क नहीं लगेगा। साथ ही, क्यूआर कोड स्कैन कर भी आवेदन किया जा सकता है। आवेदन दो चरणों में स्वीकार किए जाएँगे—पहला चरण 10 सितम्बर से 30 सितम्बर 2025 तथा दूसरा चरण 10 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक। फाउंडेशन द्वारा छात्रवृत्ति योजना की पूरी प्रक्रिया नि:शुल्क संचालित की जाएगी। यदि योजना से संबंधित किसी प्रकार की धोखाधड़ी या शिकायत की जानकारी हो, तो उसे scholarship@azimpremjifoundation.org पर प्रेषित किया जा सकता है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, आयुक्त उच्च शिक्षा संतोष देवांगन, संचालक तकनीकी शिक्षा विजय दयाराम के., तथा अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के स्टेट हेड सुनील शाह उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय की आत्मीयता ने छुआ श्रमिक परिवार का दिल, बेटी प्रतिज्ञा ने थामा सपनों का रास्ता

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना से प्रतिज्ञा का फौज में जाने का सपना होगा पूरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एक माँ की आँखों में उमड़ी खुशी, चेहरे पर झलकता गर्व और शब्दों में छलकता भावातिरेक इस बात का प्रमाण है कि सरकार की दिशा सही है और योजनाएँ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुँच रही हैं। रायपुर की नंदिनी यादव, जो रोज़ी-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करती हैं, आज अपनी बेटी प्रतिज्ञा को छत्तीसगढ़ पब्लिक स्कूल, टाटीबंध में प्रवेश दिलाकर गदगद हैं। यह संभव हुआ है मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर शुरू की गई अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना से।

नंदिनी यादव बताती हैं कि वह हमेशा चाहती थीं कि उनके बच्चे भी इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ें, लेकिन सीमित आर्थिक स्थिति के कारण यह सपना पूरा नहीं हो पा रहा था। घर के अन्य बच्चों को देख वह कई बार सोचती थीं कि उनकी बिटिया भी अच्छे स्कूल में पढ़े। जब प्रतिज्ञा का चयन अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना में हुआ तो उनकी आँखों से खुशी के आँसू छलक पड़े। उन्होंने कहा मेरे लिए यह क्षण अविस्मरणीय है। यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा तोहफ़ा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात के दौरान नंदिनी यादव ने अपने मन की भावनाएँ साझा कीं। उन्होंने कहा कि अब बेटी का भविष्य संवर जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने भी नंदिनी यादव को बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह योजना श्रमिक परिवारों के बच्चों को बेहतर शिक्षा और जीवन की नई दिशा देने का माध्यम बनेगी।

नंदिनी ने बताया कि बेटी प्रतिज्ञा का सपना बड़ा है। वह हमेशा से कहती आई है कि उसे फौज में जाना है और देश की सेवा करनी है। बिटिया का यह सपना अब हकीकत बनने की राह पर है। इंग्लिश मीडियम में पढ़ाई और बेहतर संसाधनों की उपलब्धता से वह अपने लक्ष्य तक पहुँच सकेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्ची की इस सोच की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सपनों से ही देश की नींव मजबूत होती है।

नंदिनी यादव ने अपनी खुशी साझा करते हुए बताया कि केवल बच्ची की शिक्षा की व्यवस्था ही नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री आवास योजना से उन्हें पक्का मकान मिला है, उज्ज्वल योजना से रसोई गैस कनेक्शन मिला और उनकी सासू माँ को शासन से सिलाई मशीन भी प्राप्त हुई है। इन योजनाओं ने उनके परिवार की जिंदगी बदल दी है। उन्होंने कहा सरकार की योजनाएँ मेरे परिवार के लिए संबल बन गई हैं, यही तो सच्चा अंत्योदय है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री जी के कारण आज मेरी बच्ची को बेहतर शिक्षा मिल रही है।

मैं मुख्यमंत्री जी के पास अपनी भावनाएँ व्यक्त करने आई हूँ। यह खुशी शब्दों में बयान करना मुश्किल है। माँ की भावुकता देखकर उपस्थित लोग भी प्रभावित हुए। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि बेटी की पढ़ाई पूरी जिम्मेदारी से होगी और परिवार को लगातार सहयोग मिलता रहेगा।

उल्लखेनीय है कि अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के तहत छठी से बारहवीं तक पढ़ाई का पूरा दायित्व सरकार उठाती है। नंदिनी यादव अब निश्चिंत हैं कि उनकी बच्ची का भविष्य सुरक्षित है। महतारी वंदन योजना से मिलने वाले सहयोग ने उनके परिवार को आर्थिक संबल दिया है। यह कहानी केवल एक माँ-बेटी की नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के उन हजारों परिवारों की है जिनके सपने सरकार की योजनाओं से साकार हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने दी बड़ी सौगात कुनकुरी में बनेगा अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी सोच और नेतृत्व में जशपुर जिले को लगातार विकास की सौगातें मिल रही हैं। खेल प्रतिभाओं को पहचान और बेहतर अवसर दिलाने की दिशा में प्रदेश सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। जिले के कुनकुरी में अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए शासन द्वारा 63 करोड़ 84 लाख 89 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। यह खेल कॉम्प्लेक्स न केवल जशपुर बल्कि पूरे सरगुजा संभाग के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधा इस कॉम्प्लेक्स के निर्माण से मिलेगा द्य ग्रामीण और आदिवासी अंचल के खेल में रुचि रखने वाले युवाओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अब खिलाड़ियों को बड़े शहरों की ओर रुख करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। यहीं पर उन्हें प्रशिक्षण, प्रतियोगिताएं और खेल आयोजन की बेहतर सुविधाएं मिलेगी। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की छुपी हुई खेल प्रतिभाएं निखरकर सामने आएंगी। युवाओं के लिए खेलों में कैरियर और रोजगार की नई संभावनाएं भी खुलेंगी। स्थानीय खेल प्रेमियों और युवाओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताते हुए कहा कि इस कॉम्प्लेक्स के बनने से जशपुर जिले की पहचान खेलों के क्षेत्र में और भी मजबूत होगी। इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को अत्याधुनिक खेल ढांचे और सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा। इसमें शामिल होंगे— एथलेटिक्स ट्रैक एवं पवेलियन, बास्केटबॉल कोर्ट, कबड्डी और खो-खो के मैदान,आधुनिक स्विमिंग पूल एवं ड्रेस चेंजिंग रूम, वॉलीबॉल ग्राउंड , जंपिंग गेम और खेल उपकरण इन सभी व्यवस्थाओं से खिलाड़ियों को बड़े स्तर पर प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

जशपुर जिला पहले से ही अपनी खेल प्रतिभाओं के लिए प्रसिद्ध रहा है। यहां से कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे हैं। अब इस इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण से यह परंपरा और मजबूत होगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का यह कदम न केवल खेल प्रतिभाओं के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है, बल्कि यह जशपुर को खेलों की भूमि के रूप में नई पहचान भी दिलाएगा।

मुख्यमंत्री साय को बस्तर दशहरा में शामिल होने का मिला न्यौता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में बस्तर सांसद महेश कश्यप के नेतृत्व में बस्तर दशहरा समिति, जगदलपुर के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री को विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व 2025 में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि 75 दिनों तक चलने वाला यह पर्व हरेली अमावस्या से प्रारंभ होकर आश्विन शुक्ल पक्ष के 13वें दिन तक मनाया जाता है। इस वर्ष इसकी शुरुआत 24 जुलाई को पाटजात्रा पूजा विधान के साथ हुई है। आगामी प्रमुख आयोजनों में 21 सितंबर को काछनगादी पूजा, 29 सितंबर को बेल पूजा तथा 4 अक्टूबर को मुरिया दरबार का आयोजन शामिल है।मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर दशहरा के आमंत्रण के लिए प्रतिनिधि मंडल का आभार व्यक्त किया और आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं।

अयोध्या धाम के लिए 850 तीर्थ यात्रियों का जत्था रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना में रायपुर संभाग से 850 तीर्थयात्रियों का जत्था राजधानी रायपुर रेलवे स्टेशन विशेष ट्रेन से अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। इस विशेष ट्रेन को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाई। उन्होंने इस मौके पर तीर्थ यात्रियों के जत्थे से मुलाकात कर उन्हें अपनी बधाई और शुभकामनाएं दी।

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर राज्य के श्रद्धालुओं को अयोध्या में विराजमान श्री रामलला के दर्शन कराने के लिए श्रीरामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना शुरू की गई है। पिछले वर्ष 26 ट्रेनों के माध्यम से 22 हजार 100 से अधिक दर्शनार्थियों को दर्शन कराया गया। अब तक 28 हजार से अधिक दर्शनार्थियों ने दर्शन का लाभ लिया है, और आगे लगातार दर्शन जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा श्रीरामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना संचालित की जा रही है, जिसके तहत प्रदेश के नागरिकों को प्रभु श्रीराम के दर्शन के साथ ही अयोध्या धाम और काशी विश्वनाथ की नि:शुल्क यात्रा का प्रबंध होता है। यह योजना 5 मार्च 2024 से प्रारंभ हुई है। श्रीराम लला अयोध्या धाम दर्शन योजना के तहत तीर्थ यात्रा के लिए जाने वाले दर्शनार्थियों के जाने-आने एवं यात्रा के दौरान ठहरने और भोजन इत्यादि का प्रबंध छत्तीसगढ़ सरकार की ओर होता है।

रेलवे स्टेशन पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में अनेक जनप्रतिनिधि, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के परिजन और श्रद्धालु उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले राहवीरों को मिलेगी 25 हजार रूपए की राशि

छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठकः सीट बेल्ट और हेलमेट का प्रयोग नहीं करने पर होगी कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भारत सरकार की राहवीर योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले राहवीरों को 25 हजार रूपए की नगद राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। यह पुरस्कार एक राहवीर को अधिकतम पांच बार मिल सकेगा। मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में राहवीर योजना की समीक्षा करते हुए परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले राहवीरों को स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस के विशेष मौकों पर सम्मानित किया जाए।

इस मौके पर उप मुख्यमंत्री द्वय अरूण साव और विजय शर्मा ने अधिकारियों को भारत सरकार की राहवीर योजना का क्रियान्वयन गंभीरता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस योजना के बेहतर क्रियान्वयन में स्वयंसेवी संगठनों का भी सहयोग लिया जाए तथा स्कूल, कॉलेजों में भी विद्यार्थियों को इस संबंध में जागरूक किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मालवाहक वाहनों में यात्री ढोने पर सख्त कार्यवाही की जाए। सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए दोपहिया वाहन चलाने वाले लोगों को हेलमेट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करने कड़ाई से अमल किया जाए। इसी प्रकार चार पहिया वाहन में यात्रा करने वाले लोगों के लिए सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से होना चाहिए। इसके अलावा बैठक में सड़कों पर आवारा पशुओं को हटाने और राहवीर योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए राज्य के प्रमुख सड़कों में होर्डिंग लगाने और सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता के लिए कंटेन्ट तैयार कर जारी करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

परिवहन मंत्री कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में भारत सरकार की राहवीर योजना के क्रियान्वयन के लिए कलेक्टरों की अध्यक्षता गठित की गई है। सड़क सुरक्षा समिति में मिलने वाले प्रस्ताव की समीक्षा कर पुरस्कार के लिए राहवीरों का चयन किया जाएगा। यह समिति राज्य के सभी पुलिस थानों और अस्पताल से जानकारी लेकर प्रत्येक प्रकरण की समीक्षा करेगी। मूल्यांकन समिति में जिला कलेक्टर के अलावा पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य अधिकारी और जिला परिवहन अधिकारी शामिल होंगे। यह समिति राहवीरों को पुरस्कृत करने के लिए संबंधित प्रकरण परिवहन आयुक्त को भेजेंगे, इन प्रकरणों के परीक्षण के बाद संबंधित राहवीरों को डीबीटी के माध्यम से पुरस्कार राशि भेजी जाएगी।

छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने चिन्हांकित ब्लैक स्पॉट से गुजरने वाले वाहनों की गति नियंत्रित करने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को सुरक्षात्मक उपाय किए जाने के निर्देश दिए गए। बैठक में एनएचएआई के अधिकरियों ने बताया कि सभी टोल नाकों के आसपास अनियंत्रित गति पर चल रहे वाहनों के विरूद्ध कार्यवाही के लिए 22 पेट्रोलिंग टीम गठित की गई है। ये टीमें महत्वपूर्ण सड़कें जहां भारी वाहनों का अत्याधिक ट्रैफिक दबाव होता है, वहां अगले 50 किलोमीटर तक का रोड क्लिरेंस करती है तथा आवारा पशुओं के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के लिए उन्हें सड़कों से हटाने का काम करती है और इसके अलावा यह टीम आवारा पशुओं को काउ केचर टीम को सौंप देती है। इसके लिए राज्य में 113 काउ केचर टीम गठित की गई है। इसके साथ ही बैठक में हिट एण्ड रन प्रकरण सहित विभिन्न सड़क सुरक्षा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई। इस बैठक में अंतरविभागीय लीड एजेंसी सड़क सुरक्षा छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने प्रमुखता से छत्तीसगढ़ के समग्र सुरक्षा परिदृश्य पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

बैठक में विधायक अनुज शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक अरूण देव गौतम, लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, परिवहन विभाग के सचिव एस. प्रकाश, परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर, सहित स्कूल, स्वास्थ्य, लोक निर्माण, नगरीय प्रशासन विभाग और एनएचएआई के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने-अपने सुझाव दिए और अपने अनुभव को साझा किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950